www.sanjanabharati.com

दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित

facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

आपका भरोसा, हमारी ताकत

RNI No. : DELHIN/2016/70240

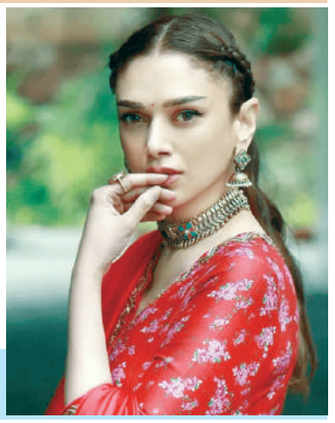

2 भारत-अमेरिका व्यापार समझौता भारत के...

3 लालगंज में टमाटर पेस्ट उत्पादन प्लांट का...

4 सिनेमा जगत में वर्किंग शिफ्ट को लेकर अदिति...

वर्ष: 10 | अंक: 111 | दिल्ली, शुक्रवार, 13 फरवरी 2026 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में डिजिटल क्रांति का हुआ अभूतपूर्व विस्तार : सिंधिया

नई दिल्ली (एजेन्सी)। केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने संसद में प्रश्नों के उत्तर देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में भारत के डिजिटल इकोसिस्टम में आए ऐतिहासिक बदलावों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारतनेट विश्व की सबसे महत्वाकांक्षी कनेक्टिविटी योजनाओं में से एक है, जिसका उद्देश्य देश के हर नागरिक तक सस्ती और तेज इंटरनेट सुविधा पहुँचाना है। केन्द्रीय मंत्री ने सदन को अवगत कराया कि वर्ष 2014 में देश में 93 करोड़ मोबाइल उपभोक्ता थे, जो आज बढ़कर 120 करोड़ हो चुके हैं और मोबाइल पेनिट्रेशन 75 प्रतिशत से बढ़कर 92 प्रतिशत तक पहुँच गया है। इंटरनेट कनेक्टिविटी में भी क्रांतिकारी बदलाव आया है। इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 2014 के 25 करोड़ से बढ़कर आज 100 करोड़ से अधिक हो गई है, और पेनिट्रेशन 20 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 71.8 प्रतिशत तक पहुँच चुकी है। इसी तरह, ब्रॉडबैंड उपभोक्ता 6 करोड़ से बढ़कर 100 करोड़ से अधिक हो गए हैं, जबकि औसत ब्रॉडबैंड स्पीड लगभग 66 एमबीपीएस तक पहुँच चुकी है। सिंधिया ने इसे डिजिटल क्रांति बताते हुए कहा कि कनेक्टिविटी अब शहरी विशेषाधिकार नहीं रही, बल्कि ग्रामीण भारत तक पहुँचने वाला नागरिक अधिकार बन चुकी है।

केजरीवाल-सिसोदिया की बढ़ेंगी मुश्किलें?

नई दिल्ली (एजेन्सी)। राउज एवेन्यू अदालत ने दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति भ्रष्टाचार मामले में आरोप तय करने पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। अदालत ने सीबीआई और आरोपियों, जिनमें अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और 21 अन्य शामिल हैं, की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रखा। विशेष न्यायाधीश जितेंद्र सिंह ने सीबीआई की ओर से सहायक महाधिवक्ता डी पी सिंह द्वारा दिए गए प्रतिवादों को सुनने के बाद आरोप तय करने पर फैसला सुरक्षित रखा। अदालत द्वारा 27 फरवरी को फैसला सुनाए जाने की संभावना है। सीबीआई ने पहली बार 2022 में आरोप पत्र दाखिल किया था और बाद में पूरक आरोप पत्र दाखिल किए। आरोप है कि प्रस्तावित दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति को अपने पक्ष में प्रभावित करने के लिए दक्षिण लॉबी द्वारा 100 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया था।

भारत पूरी तरह से बाहरी यूरेनियम पर निर्भर नहीं, 2014 से परमाणु क्षमता दोगुनी हुई-डॉ. जितेंद्र सिंह

संजना भारती/पीआईबी

नई दिल्ली। केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने राज्यसभा में जोर देकर कहा कि भारत का परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम एक निर्णायक विस्तार के चरण में है। इसे नीतिगत सुधारों, निजी क्षेत्र की भागीदारी और 2047 तक स्पष्ट क्षमता लक्ष्यों का समर्थन प्राप्त है।

मंत्री महोदय ने कहा कि भारत की स्थापित परमाणु ऊर्जा क्षमता, जो 2014 में 4,780 मेगावाट थी, बढ़कर 8,780 मेगावाट हो गई है। इसके 2031-32 तक 22,380 मेगावाट, 2037 तक 47 गीगावाट, 2042 तक 67 गीगावाट और 2047 तक 100 गीगावाट तक पहुंचने का अनुमान है। उन्होंने इस बात को जोर देकर कहा कि भारत आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है और भू-राजनीतिक घटनाक्रम चल रही परमाणु परियोजनाओं को बाधित नहीं करेंगे।

आर. गिरिराजन, जयराम रमेश, राम गोपाल यादव और एम. थंबीदुरई द्वारा उठाए गए पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए श्री सिंह ने समयसीमा, अंतरराष्ट्रीय वार्ता, ईंधन सुरक्षा, सीएसआर पहलों और विद्युत साझाकरण व्यवस्थाओं से संबंधित चिंताओं को संबोधित किया। कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र से संबंधित प्रश्नों का उत्तर देते हुए श्री सिंह ने कहा कि इकाई 3 और 4 को 2026-27 तक पूरा करने का लक्ष्य है, जबकि इकाई 5 और 6 को 2030 तक पूरा करने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि भारत-अमेरिका संबंधों में बदलाव सहित हाल के भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के कारण किसी भी व्यवधान की आशंका का कोई कारण नहीं है।

परियोजना के इतिहास को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि कुडनकुलम परियोजना की परिकल्पना 1988 में की गई थी, निर्माण कार्य 2002 में शुरू हुआ और वर्तमान सरकार के सत्ता में आने के बाद दिसंबर 2014 में पहली इकाई चालू हुई। पिछले एक दशक में पहली दो इकाइयों का परिचालन एक स्पष्ट कार्यान्वयन ढांचें और समय-सीमा के अनुशासित पालन को दर्शाता है।

16 किलोमीटर के आपातकालीन योजना क्षेत्र के भीतर कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहलों के संबंध में एक प्रश्न के उत्तर में श्री सिंह ने कहा कि भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम लिमिटेड (एनपीसीआईएल)सभी परमाणु संयंत्रों के आसपास के समुदायों के लिए सीएसआर और पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन (आर एंड आर) गतिविधियां संचालित करता है।

उन्होंने सदन को सूचित किया कि सीएसआर के तहत महत्वपूर्ण आवंटन किए गए हैं, जिसके तहत चालू वित्त वर्ष में विभिन्न परियोजनाओं पर 168 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। कुडनकुलम के पिछले चार वर्षों के विशिष्ट आंकड़े अलग से प्रस्तुत किए जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि इन पहलों का उद्देश्य स्थानीय समुदायों के लिए बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करना है।

जैतापुर परमाणु ऊर्जा परियोजना में प्रस्तावित छह 1600 मेगावाट के रिएक्टरों से संबंधित वार्ता पर एक प्रश्न का उत्तर देते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि चर्चा चल रही हैं और तकनीकी समझौता ढांचा तैयार है, लेकिन कुछ वाणिज्यक पहलू विचाराधीन है। उन्होंने संकेत दिया कि राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखते हुए संबंधित मंत्रालयों के समन्वय से इस मामले को आगे बढ़ाया जा रहा है।

प्रदेश को स्वच्छता में आगे लाना है : वाइस चेयरमैन सुभाष चंद्र

संजना भारती संवाददाता ब्यूरो प्रमुख विजय गर्ग

पलवल। स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 को लेकर आज पलवल जिला की पलवल नगर परिषद, होडल नगर परिषद और हथीन नगर पालिका के सभी अधिकारियों की मीटिंग लेते स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा के कार्यकारी वाइस चेयरमैन सुभाष चन्द्र ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि आपने पलवल को स्वच्छता में अव्वल स्थान पर लाना है। और अधिक से अधिक लोगों को स्वच्छता सर्वेक्षण के साथ जोड़ना है। उन्होंने कहा कि साफ सुथरा शहर में सभी की भागीदारी सुनिश्चित है इस सफाई अभियान को हम एकजुट होंगे तभी आगे बढ़ा पाएंगे।

इस अवसर पर वाइस चेयरमैन सुभाष चंद्र ने अधिकारियों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि सफाई अभियान में कतई भी कोताही सहन नहीं होगी। इस दौरान उनके साथ मंडल अध्यक्ष ओमबीर, मनोज बैसला, राष्ट्रीय कवि आजाद मंडोरी, जितेन्द्र आर्य, ईओ संजय रोहिल्ला, ईओ मनेंद्र सिंह, गौरव बेनीवाल, धीरज व धर्मेंद्र प्रधान सहित स्वच्छता से सम्बन्धित एजेंसियों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

'विकसित उद्योग, विकसित श्रमिक' पर रहेगा सरकार का फोकस: सैनी

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 'इंडस्ट्री-लेबर फ्रेंडली काउंसिल' की बैठक की अध्यक्षता की

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार का मुख्य फोकस 'विकसित उद्योग, विकसित श्रमिक' पर रहेगा ताकि राज्य की प्रगति और अधिक तेजी से हो सके।

मुख्यमंत्री बुधवार को चंडीगढ़ में "इंडस्ट्री -लेबर फ्रेंडली कॉउन्सिल" की प्रथम बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रमुख प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री सुधीर राजपाल, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ अमित अग्रवाल, श्रम विभाग के प्रधान सचिव श्री राजीव रंजन, मुख्यमंत्री के उपप्रधान सचिव श्री यशपाल के अलावा अन्य अधिकारी तथा कॉउन्सिल के सदस्य उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री व काउंसिल के चेयरपर्सन श्री नायब सिंह सैनी ने बताया कि जब तक किसी प्रदेश में उद्योग निर्बाध गति से नहीं चलेंगे और वहां के श्रमिक खुशहाल नहीं होंगे तब तक वह प्रदेश आर्थिक रूप से प्रगति नहीं कर सकता। इन दोनों वर्गों में सामंजस्य होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि इसी मैत्री एवं भाईचारे की भावना को ध्यान में रख कर ही "इंडस्ट्री -लेबर फ्रेंडली काउंसिल" का गठन किया गया है। इस प्रकार की काउंसिल गठित करने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार उद्योगों को "ईज ऑफ डूइंग" तथा श्रमिकों को "ईज ऑफ लिविंग" देने की नीति पर काम कर रही हैं। यह कॉउन्सिल उद्योगों एवं श्रमिकों से संबंधित सरकार की घोषणाओं की भी समीक्षा करेगी और श्रमिकों की सुरक्षा, उद्योग-श्रमिक विवाद को सुलझाने, आईटीआई जैसे तकनीकी संस्थानों में श्रमिकों के कौशल विकास को अपग्रेड करने से संबंधित सुझाव भी देगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कॉउन्सिल के माध्यम से राज्य के उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों की उत्पादकता बढ़ाने पर भी विशेष बल रहेगा, क्योंकि उत्पादकता बढ़ने से जीडीपी में भी बढ़ोतरी होगी जो कि देश एवं प्रदेश के विकास का मुख्य आधार है।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा में करीब दो लाख सूक्ष्म एवं मध्यम दर्जे के उद्योग इंडस्ट्रियल एरिया से बाहर चल रहे थे जिसके कारण उनको कई प्रकार की सुविधाएँ नहीं मिल पा रही थी। अब प्रदेश सरकार ने गत 25 दिसंबर 2025 को एक पोर्टल लांच कर दिया है जिस पर ये उद्योग अपना पंजीकरण करके नियमित हो जाएंगे तथा उनको सरकारी योजनाओं का लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। उन्होंने बताया कि कुछ इंडस्ट्रियल एरिया में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण से एचएसआईआईडीसी में प्लॉट को स्थानांतरित करने में आ रही परेशानियों को भी सुलझा लिया गया है। इसी प्रकार उद्योगपतियों की इएसआईसी अस्पतालों के लिए जमीन को भी रियायती दरों पर देने के लिए सरकार ने मंजूरी दे दी है। इंडस्ट्रियल एरिया में सस्ती दरों पर मजदूरों के लिए डोरमेट्री आवास बनाने की प्रक्रिया तेजी से जारी है। उन्होंने बताया कि कई जिलों में इंडस्ट्रियल एरिया में जगह की कमी को देखते हुए मल्टीलेवल पार्किंग भी बनाई जाएगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में उद्योगों के लिए वातावरण को और अधिक अनुकूल बनाने का प्रयास कर रही है ताकि निवेशक प्रदेश में अधिक से अधिक निवेश करें। इससे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का विजन 'विकसित भारत-2047' का लक्ष्य हासिल करने में आसानी होगी।

भूमिहार ब्राह्मण वर वधू डायरेक्टरी महासंघ की वेबसाइट पर हुआ जारी

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। अखिल भारतीय भूमिहार ब्राह्मण महासंघ के द्वारा भूमिहार ब्राह्मण वर वधू डायरेक्टरी का प्रकाशन किया गया है जिसके प्रधान संपादक अखिल भारतीय भूमिहार ब्राह्मण महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष कुमार शेखर एवं संपादक मंडल के सम्मानित सदस्य ई. रामाश्रय प्रसाद सिंह, महासचिव डॉ ललितेश्वर कुमार राय एवं गोपलजी राय, राजीव चंचल, कुंदन कुमार मधुकर, दिनेश कुमार सिंह, अमितेश आनंद, अभिनंदन सिंह है। भूमिहार ब्राह्मण वर वधू डायरेक्टरी को महासंघ ने आज अपने अधिकारिक वेबसाइट www.bhumihar.org पर जारी कर दिया है। महासंघ

के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष कुमार शेखर ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि देश भर से प्राप्त विवरण के आधार पर इसका प्रकाशन किया गया है।

शेखर ने कहा कि बहुत से लोगों का विवरण शामिल नहीं पाया है जिसे शीघ्र ही अगले अंक में शामिल कर लिया जाएगा। शेखर ने कहा कि जो लोग भी अपना विवरण छपवाना चाहते हैं वे www.bhumihar.org पर रजिस्टर कर सकते हैं या महासंघ की ईमेल bhumiharindia@gmail.com पर ईमेल कर सकते हैं। शेखर ने भूमिहार ब्राह्मण वर वधू डायरेक्टरी के प्रकाशन के लिए इससे जुड़े सभी सम्मानित सदस्यों को धन्यवाद दिया है।

योगी आदित्यनाथ ने प्रस्तावित फॉक्सकॉन कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

गौतमबुद्धनगर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यमुना विकास प्राधिकरण क्षेत्र के सेक्टर 28, ई-01 में फॉक्सकॉन (Hon Hai Precision Industry Co., Ltd.) द्वारा 48 एकड़ में लगभग 4000 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किए जा रहे उत्तर प्रदेश के पहले सेमीकंडक्टर पार्क के प्रस्तावित कार्यक्रम की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस परियोजना को आधुनिक तकनीक और वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित किया जाए, जिससे राज्य में निवेश को बढ़ावा मिले और रोजगार सृजन में वृद्धि हो। इस सेमीकंडक्टर पार्क के निर्माण से लगभग 3000 लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि परियोजना के क्रियान्वयन में सभी आवश्यक मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए तथा स्थानीय लोगों को इससे अधिकतम लाभ मिले।

इस अवसर पर तीनों प्राधिकरणों के मुख्य कार्यपालक अधिकारी, पुलिस आयुक्त, जिलाधिकारी सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

42वीं क्रीड़ा प्रतियोगिता में कुल 143 अंकों के साथ कादरचौक ने जीती ऑल आवर चैंपियनशिप

संजना भारती ब्यूरो प्रमुख इंतजार हुसैन बदायूं। हाफिज सद्दीक इस्लामिया इंटर कॉलेज बदायूं में चल रही 42वीं जनपदीय त्रिदिवसीय बाल क्रीडा प्रतियोगिता एवं शैक्षिक समारोह के समापन अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी वीरेंद्र कुमार सिंह, टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय सचिव संजीव शर्मा, पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष प्रेमानंद शर्मा, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला संयोजक दुष्यंत रघुवंशी एवं प्रदीप गुप्ता ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती की प्रतिमा पर द्वीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया।

इस दौरान संविलयन विद्यालय असरासी कादर चौक की छात्राओं द्वारा पी0 टी0 प्रस्तुत की गई। प्राथमिक विद्यालय दियोरिया म्याऊं की छात्राओं द्वारा मोबाइल के अत्यधिक प्रयोग पर सचेत करते हुए मोबाइल के प्रयोग की लत लग गई शीर्षक पर एक बहुत ही सुंदर प्रस्तुत दी। संविलयन विद्यालय असरासी कादर चौक की छात्राओं द्वारा द्रोपदी चीर हरण पर एक बहुत सुंदर नाटिका प्रस्तुत की गई जिसकी सभी अतिथियों ने मुक्त कंठ से सराहना की।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी वीरेंद्र कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि खेल गतिविधियां बच्चों को हष्ट पुष्ट और स्वस्थ बनाती हैं। इन्ही बच्चों में से प्रतिभावान बच्चे खेल गतिविधियों के माध्यम से आगे बढ़ते हैं और ओलंपिक गेम्स में प्रतिभाग कर भारत का नाम रोशन करते है। उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले समस्त विजेताओं को पूर्ण मनोयोग से अपना अभ्यास जारी रखने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष संजीव शर्मा ने तीन दिवसीय कार्यक्रम की आख्या प्रस्तुत की।

व्यक्तिगत चैंपियनशिप प्राथमिक स्तर बालक वर्ग में संविलयन विद्यालय बोंदरी कादरचौक के छात्र प्रशांत ने व प्राथमिक स्तर बालिका वर्ग में संविलियन विद्यालय जलालपुर कादरचौक की सगोपी ने जीती। उच्च प्राथमिक स्तर बालक वर्ग मे व्यक्तिगत चैंपियनशिप उच्च प्राथमिक विद्यालय तेहरा उझानी के आकाश ने एवं उच्च प्राथमिक स्तर बालिका वर्ग में संविलियन विद्यालय अरसिस विकास क्षेत्र सलारपुर की दीक्षा ने व्यक्तिगत चैंपियनशिप जीती।

संपन्न हुई स्पर्धाओ में प्राथमिक स्तर बालक वर्ग खो-खो प्रतियोगिता में कादरचौक विजेता व सलारपुर उपविजेता रहा। लंबी कूद में सोनू सलारपुर प्रथम, अर्जुन जगत द्वितीय एवं अनुराग उझानी तृतीय स्थान पर रहे। प्राथमिक स्तर बालिका वर्ग में प्राथमिक स्तर बालिका वर्ग में कबड्डी प्रतियोगिता में दहगवा की टीम विजेता बनी वही अंबियापुर की टीम उप-विजेता बनी। उच्च प्राथमिक स्तर बालक वर्ग कबड्डी में अंबियापुर टीम विजेता व दहगवां उप-विजेता रही। ऊंची कूद में टिंकू दहगवा प्रथम, अभिषेक दातागंज द्वितीय, प्रदीप जगत तृतीय स्थान पर रहे। गोला फेक में शैलेश म्याऊं प्रथम, कौशल म्याऊं द्वितीय, रिहान वजीरगंज तृतीय स्थान पर रहे। चक्का फेंक में प्रदीप जगत प्रथम, मोहित सलारपुर द्वितीय, राहुल उझानी तृतीय स्थान पर रहे।

कबड्डी में अंबियापुर विजेता एवं दहगवा उप-विजेता रहा। पी0 टी0 प्रदर्शन में कादर चौक विजेता एवं अंबियापुर उप-विजेता रहा। बैडमिंटन सिंगल्स में दिव्यांश इस्लामनगर विजेता और विकास कादर चौक उप-विजेता रहे। बैडमिंटन डबल्स में इस्लामनगर विजेता एवं म्याऊं उप- विजेता रहा। वॉलीबॉल में कादर चौक विजेता एवं इस्लाम नगर उप-विजेता रहा। समूह गान में कादर चौक विजेता व उझानी उप-विजेता रहा।

पत्रकार हामिद अली का आंख का सफल ऑपरेशन

संजना भारती ब्यूरो प्रमुख इंतजार हुसैन बदायूं। मामू के नाम से प्रसिद्ध वरिष्ठ पत्रकार अहमद अली खान राजपूत की आका सफल ऑपरेशन डॉ. अरविंद तिवारी (MBBS, MS) वरिष्ठ नेत्र सर्जन द्वारा सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। वरिष्ठ

पत्रकार हामिद अली खान राजपूत ने इस अवसर पर बदायूं सहित समस्त पत्रकार साथियों, शुभचिंतकों, मौके पर आकर हालचाल लेने वालों, फोन के माध्यम से कुशलक्षेम पूछने वालों एवं दिल से दुआ करने वाले सभी लोगों का भावुक होकर तहे दिल से धन्यवाद व शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में मिला आप सभी का स्नेह, सहयोग और दुआएं उनके लिए बहुत बड़ा सहारा और हौसला बनीं।

13 को आकाशवाणी रामपुर से होगा शम्स मुजाहिदी की शायरी का प्रसारण

संजना भारती ब्यूरो प्रमुख इंतजार हुसैन बदायूं। बदायूं के जाने माने शायर मु० शमसुद्दीन शम्स की नातिया शायरी की रिकॉर्डिंग सोमवार 9 फरवरी को रामपुर आकाशवाणी केंद्र पर हुई थी। अब उनकी शायरी का प्रसारण कार्यक्रम शेअरी नशिस्त के तहत 13 फरवरी शुक्रवार को सुबह 9.30 बजे आकाशवाणी रामपुर से किया जाएगा।

शमसुद्दीन शम्स मुजाहिदी अपनी बेबाक शायरी और पत्रकारिता के साथ ही समाजसेवी कार्यों के लिए भी जाने जाते हैं। वो वर्तमान में उत्तर प्रदेशीय अपराध निरोधक समिति के जिला सचिव एवं पदेन जेल विजिटर हैं। वह जनपद के अलावा अन्य जिलों में भी अपने कलाम पेश कर चुके हैं।

शम्स मुजाहिदी समाज में फैली विसंगतियों पर अपनी रचनाओं के माध्यम से प्रहार करते है। तो वहीं आम जनमानस की पीड़ा को भी अपनी रचनाओं के माध्यम से सरकार तक निडरता से पहुंचाते है। उनकी गजलों का प्रसारण आकाशवाणी रामपुर से विगत 21 सितंबर को भी हो चुका है। अब उनकी नातिया शायरी का प्रसारण

आकाशवाणी रामपुर से कल होगा। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय अपने उस्ताद वरिष्ठ शायर डॉ मुजाहिद नाज बदायूंनी जी को दिया।

इस मौके पर अनेक शायर, कवियों व समाजसेवियों ने उनको बधाई दी है। जिसमें उस्ताद शायर सुरेंद्र कुमार नाज, आजम फरशोरी, सादिक अलापुरी, राजवीर सिंह तरंग, उज्ज्वल वशिष्ठ, फरीद इदरीसी, इकबाल मुजाहिदी, नेत्रपाल सिंह शैलानी, पूर्व प्रधानाचार्य खिजर अहमद, पूर्व प्रधानाचार्य सी पी सिंह, डॉ संजीव शाक्य, इंतजार हुसैन, प्रधानाचार्य अब्दुल सुबूर खान, प्रधानाचार्य आदेश यादव आदि ने बधाई दी।

सम्पादकीय

विपक्ष को मिली आंशिक सफलता

राहुल गांधी यानी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष आखिरकार बुधवार को संसद में भाषण दे पाए। पिछले सोमवार जब उन्होंने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोलने की कोशिश की थी, तो लगातार उन्हें दो दिन रोका गया और फिर बिना चर्चा के ही धन्यवाद प्रस्ताव पारित हो गया। गनीमत है कि बजट पर ऐसा नहीं हुआ और राहुल गांधी ने संसद में अपना भाषण दिया। राहुल गांधी ने बजट पर चर्चा करते हुए केंद्र सरकार पर देश की संप्रभुता और डेटा को अमेरिका के हाथों गिरवी रखने का गंभीर आरोप लगाया। राहुल गांधी ने मार्शल आर्ट्स के 'ग्रिप' और 'चोक' तकनीक का उदाहरण देते हुए दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बाहरी ताकतों के दबाव में 'सरेंडर' कर चुके हैं। अपने भाषण की शुरुआत में राहुल ने बताया कि मार्शल आर्ट्स में लक्ष्य होता है प्रतिद्वंद्वी पर पकड़ बनाना। एक बार पकड़ आ गई, तो गला चोक किया जाता है और विपक्षी 2-3 बार थपथपा करके समर्पण कर देता है। यही आज भारत की राजनीति में हो रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि मार्शल आर्ट्स में तो ग्रिप, चोक और सरेंडर सब नजर आते हैं, लेकिन राजनीति में ऐसा नहीं होता। इसके बाद राहुल गांधी ने आर्थिक सर्वे पर अपनी बात रखी और कहा कि मैं आर्थिक सर्वेक्षण देख रहा था। मुझे दो मुख्य बिंदु मिले। पहला, हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं जहां भू-राजनीतिक संघर्ष तीव्र होता जा रहा है। चीन, रूस और अन्य शक्तियां संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रभुत्व को चुनौती दे रही हैं। दूसरा, हम ऊर्जा और वित्तीय हथियारों के युग में जी रहे हैं। इसका मुख्य अर्थ यह है कि हम स्थिरता के युग से अस्थिरता के युग की ओर बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा है, और हैरानी की बात यह है कि राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनएसए) ने भी यही कहा है, कि युद्ध का युग समाप्त हो गया है। वास्तव में, हम युद्ध के युग में प्रवेश कर रहे हैं। इसलिए हम अस्थिरता के युग में प्रवेश कर रहे हैं। डॉलर को चुनौती मिल रही है, और अमेरिकी वर्चस्व को भी चुनौती मिल रही है। हम एक महाशक्ति के युग से एक ऐसे नए युग की ओर बढ़ रहे हैं जिसकी हम भविष्यवाणी नहीं कर सकते। यह एक अस्थिर दुनिया है, और आर्थिक सर्वेक्षण भी यही कहता है, और मैं इससे सहमत हूं। राहुल गांधी ने ईरान, यूक्रेन जैसे वैश्विक युद्धों का हवाला देते हुए कहा कि दुनिया एक खतरनाक दौर में है। राहुल ने दावा किया कि अमेरिका और चीन के बीच की लड़ाई में सबसे कीमती चीज 'इंडियन डेटा' है। यानी आम भारतीयों की निजी जानकारी जिस तरह डेटा में तब्दील होकर वैश्विक शक्तियों के पास पहुंच रही हैं, उस पर राहुल ने चिंता जताई। साथ ही अमेरिका से डील को उन्होंने बराबरी का सौदा नहीं माना और दावा किया कि इंडिया गठबंधन होता तो ट्रंप से बराबरी पर बात करता, लेकिन मौजूदा सरकार ने 'नौकर' की तरह डेटा सौंप दिया है। वहीं किसानों के हक की आवाज उठाते हुए राहुल ने कहा कि मोदीजी ने अमेरिका के लिए दरवाजे खोलकर भारतीय किसानों को कुचलने की तैयारी की है। हमारे किसानों पर इतना बड़ा हमला कभी नहीं हुआ। वहीं बांग्लादेश पर अमेरिका ने शून्य टैरिफ लगाया है, जिससे भारत की टेक्सटाइल इंडस्ट्री पर बुरा असर पड़ेगा, इस पर राहुल ने मोदी सरकार को घेरा। राहुल जब बिंदुवार तरीके से मोदी सरकार को बजट और अमेरिका से सौदे पर घेर रहे थे, तब सदन में बैठे सत्तापक्ष के लोग काफी बेचैन दिख रहे थे। इसके बाद राहुल गांधी ने जैसे ही अनिल अंबानी, हरदीप पुरी और एपस्टीन फाइल्स का जिक्र किया। उन्हें फौरन नियम याद दिलाए जाने लगे। जगदंबिका पाल ने उन्हें बजट पर बोलने को कहा, और कहा कि जो सदन का सदस्य नहीं है, अपना पक्ष रखने के लिए यहां नहीं है, उस पर आप आरोप नहीं लगा सकते। इस पर के सी वेणुगोपाल ने पूछा कि क्या नियम केवल हमारे लिए हैं, क्योंकि इसी सदन में कुछ दिन पहले दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्रियों पर भी बेतुके आरोप लगाकर कीचड़ उछाला गया था। बहरहाल, बार-बार की टोका-टाकी के बाद भी राहुल रुके नहीं और उन्होंने सनसनीखेज दावा किया कि अनिल अंबानी का नाम 'एपस्टीन फाइल्स' में है, इसलिए वे जेल में नहीं हैं। उन्होंने हरदीप पुरी का नाम भी इस विवाद से जोड़ा और कहा कि वे तो संसद के सदस्य हैं। अपने भाषण में राहुल ने पूछा कि क्या आपको देश को बेचने में, हमारी मां, भारत माता को बेचने में शर्म नहीं आई। राहुल गांधी ने उद्योगपति गौतम अडानी का नाम भी लिया कि अमेरिका में उनके खिलाफ मामला है, इसका भी संबंध इस ट्रेड डील से है।

जयंती

सरोजिनी नायडू

जन्म-13 फरवरी, 1879, हैदराबाद, मृत्यु-2 मार्च, 1949, इलाहाबाद, सुप्रसिद्ध कवयित्री और भारत देश के सर्वोत्तम राष्ट्रीय नेताओं में से एक थीं। वह भारत के स्वाधीनता संग्राम में सदैव आगे रहीं। उनके संगी साथी उनसे शक्ति, साहस और ऊर्जा पाते थे। युवा शक्ति को उनसे आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती थी। बचपन से ही कुशाग्र-बुद्धि होने के कारण उन्होंने 13 वर्ष की आयु में लेडी ऑफ दी लेक नामक कविता रची। वे 1895 में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए इंग्लैंड गईं और पढ़ाई के साथ-साथ कविताएँ भी लिखती रहीं। गोल्डन थ्रैशोल्ड उनका पहला कविता संग्रह था। उनके दूसरे तथा तीसरे कविता संग्रह बर्ड ऑफ टाइम तथा ब्रोकन विंग ने उन्हें एक सुप्रसिद्ध कवयित्री बना दिया।

'श्रम करते हैं हम
कि समुद्र हो तुम्हारी जागृति का क्षण
हो चुका जागरण
अब देखो, निकला दिन कितना उज्ज्वल।'

पुण्यतिथि

राजेन्द्र कुमार पचौरी

जन्म-20 अगस्त, 1940, नैनीताल, उत्तराखण्ड, मृत्यु-13 फरवरी, 2020, नई दिल्ली, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चित प्रसिद्ध पर्यावरणविद थे। उन्हें अमेरिकी उपराष्ट्रपति अल्बर्ट ऑर्नल्ड (अल) गोर गुनियर के साथ संयुक्त रूप से 2007 का 'नोबेल शांति पुरस्कार' मिला था। उल्लेखनीय है कि जहाँ अल गोर को यह पुरस्कार पर्यावरण संरक्षण-संवर्द्धन हेतु उनके व्यक्तिगत प्रयासों के लिए मिला, वहीं डॉ. राजेन्द्र कुमार पचौरी को यह पुरस्कार व्यक्तिगत रूप से नहीं मिला। अल गोर के साथ संयुक्त रूप से यह पुरस्कार इंटर-गवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) नामक संयुक्त राष्ट्र संघ की संस्था को मिला था। डॉ. पचौरी इस संस्था के अध्यक्ष रहे। लेकिन इससे उनको मिले पुरस्कार का महत्त्व कम नहीं हो जाता। युद्ध में मोर्चे पर तो सिपाही लड़ते हैं, लेकिन जीत का श्रेय व्यूह रचना करने वाले सेनापति को मिलता है, ऐसा ही डॉ. पचौरी के विषय में कहा जा सकता है।

कल मिलेंगे

पप्पू जैसे ही कॉलेज में पहुंचा तो खुशी के मारे उछलने लगा...!
गप्पू-क्या हुआ, इतना खुश कैसे है?
पप्पू-आज पहली बार मुझसे किसी लड़की ने मेट्रो में बात की!
गप्पू-वाह भाई, क्या बात हुई?
पप्पू-मैं बैठा था, वो बोली उठो ये लेडीज सीट है...!

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी। **मुद्रक**-देवानंद राय।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता भारत के किसानों के लिए सबसे बड़ा झटका साबित होगा!

ठीक 26 साल बाद, आज अमेरिका में स्थिति बहुत अलग नहीं है। राष्ट्रपति ट्रंप इस साल नवंबर में अपने मध्यावधि चुनाव का सामना कर रहे हैं। उनके लिए संकेत उतने अच्छे नहीं हैं। उन्हें अपनी नीति जारी रखने के लिए जीतना बहुत जरूरी है। मध्यावधि चुनाव में हार का मतलब है उनकी शक्ति पर बड़ी रोक, हालांकि वह दो और साल राष्ट्रपति बने रहेंगे

-नित्य चक्रवर्ती

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सरकार में उनके मंत्री और वफादार विशेषज्ञों को जनता को यह समझाने में बहुत दिक्कत हो रही है कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से भारत को क्या-क्या बड़े फायदे हो रहे हैं, खासकर कृषिक्षेत्र को, जो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खास लक्षित क्षेत्रों में से एक है।

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल एक बड़े विदूषक की तरह काम कर रहे हैं क्योंकि वे रोजाना मीडिया को दिए जाने वाले अपने प्रायोजित साक्षात्कारों में कह रहे हैं कि हमारे प्रधानमंत्री ने अड़ियल डोनाल्ड ट्रंप से ज्यादा से ज्यादा फायदे निकालने में बहुत अच्छा काम किया है। वे यह सब तब कह रहे हैं जब पूरे समझौते की बारीकियां इस साल मार्च के बीच तक ही पता चलेंगी और ट्रंप पहले ही कह चुके हैं कि अगर वे किसी भी समय इससे संतुष्ट नहीं होंगे तो अमेरिका को कभी भी बदलाव करने का हक है। यह ट्रंप के पहले के बयान 'मैं कानून हूं, मैं तय करता हूं कि क्या सही है और क्या गलत' जैसा ही है।

मैं यहां एक व्यक्तिगत अनुभव पर आधारित किस्सा बताना चाहता हूं जो यह समझाने में मदद करेगा कि अमेरिकी कृषिलॉबी अपनी सरकार और वैश्विक कृषि व्यापार पर कितना ज्यादा असर डालती है। दिसंबर 1999 मेंमैं भारत सरकार के मीडिया प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के तौर पर अमेरिका के सिएटल में 30 नवंबर से 3 दिसंबर तक विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में शामिल हुआ था। उस समय अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन थे और उन्होंने सम्मेलन में यूरोपीय यूनियन के देशों से सब्सिडी पूरी तरह खत्म करने की मांग की थी। इसके उलट, यूरोपीय यूनियन ने मांग की थी कि अमेरिका अपनी कृषि सब्सिडी कम करे क्योंकि यह रकम अमेरिका के बजट का 50 प्रतिशत थी और 1999 में कुल अमेरिकी कृषि सब्सिडी वैश्विक कृषि सब्सिडी की कुल रकम का 85 प्रतिशत थी।

दोनों विरोधी पक्ष किसी समझौते पर नहीं पहुंच पाए और आखिर में डब्ल्यूटीओ सम्मेलन बिना किसी संयुक्त घोषणापत्र जारी हुए ही खत्म हो गई। मैंने अपने अमेरिकी पत्रकार दोस्त से पूछा कि अमेरिका अपनी सारी सब्सिडी बनाए रखने पर इतना अड़ा क्यों है? मेरे दोस्त ने जवाब दिया-अगला राष्ट्रपति चुनाव नवंबर 2000 में होने है। क्लिंटन ने कृषिलॉबी से वायदा किया है कि वह यूरोपीय यूनियन को अपनी सब्सिडी कम करने के लिए मजबूर करेंगे। लेकिन क्योंकि वह फेल हो गए, इसलिए 2000 के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी पर इसका बुरा असर पड़ेगा। ठीक वैसा ही हुआ। रिपब्लिकन पार्टी ने अमेरिका के बड़े किसान समुदाय के बीच प्रचार अभियान चलाया कि क्लिंटन ने यूरोपीय यूनियन के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है और किसान हार रहे हैं। डेमोक्रेट्स नवंबर 2000 का चुनाव हार गए, जूनियर जॉर्ज बुश रिपब्लिकन पार्टी से नए राष्ट्रपति चुने गए।

ठीक 26 साल बाद, आज अमेरिका में स्थिति बहुत अलग नहीं है। राष्ट्रपति ट्रंप इस साल नवंबर में अपने मध्यावधि चुनाव का सामना कर रहे हैं। उनके लिए संकेत उतने अच्छे नहीं हैं। उन्हें अपनी नीति जारी रखने के लिए जीतना बहुत जरूरी है। मध्यावधि चुनाव में हार का मतलब है उनकी शक्ति पर बड़ी रोक, हालांकि वह दो और साल राष्ट्रपति बने रहेंगे। अमेरिका के किसान अमेरिका में किसी भी राजनीतिक पार्टी का सबसे बड़ा मतदाता आधार हैं। 2024 में, अमेरिका के किसानों को सरकारी भुगतान से 9.3 अरब डालर की सब्सिडी मिली, लेकिन ट्रंप के पहले साल में, यह 2025 में चार गुना से भी ज्यादा बढ़कर 42.4 अरब डालर हो गई। कितनी बड़ी छलांग है यह? अब इन भारी सब्सिडी के साथ, अमेरिकी किसान भारत में कृषि उत्पादनों के बढ़ते बाजार में उतरेंगे और भारतीय प्रतिस्पर्धियों को बाहर करने के लिए घरेलू बाजार को सस्ते सामान से भर देंगे। पीयूष गोयल अमेरिकी उत्पादकों को बड़े बाजार में प्रवेश दिलाने के बाद भारतीय किसानों के हितों की रक्षा करने की बात कर रहे हैं।

यह पूरी तरह बकवास है। यह एक अमीर अमेरिकी शार्क और एक बेचारे भारतीय उत्पादक को एक ही मैदान में उतारकर बराबरी का मौका देने जैसा है। जैसा कि कुछ लैटिन अमेरिकी देशों में हुआ, अमेरिकी उत्पादक पहले चरण में सस्ता सामान देकर उपभोक्ताओं के चेहरे पर मुस्कान लाएंगे। फिर जब स्थानीय लोग बाहर हो जाएंगे, तो अमेरिकी उत्पादक कीमतें बढ़ा देंगे क्योंकि तबतक दूसरा विकल्प खत्म हो गया होगा। भारत में, हालात शायद इतने बुरे न हों, लेकिन गरीब और मध्यवर्गीय किसानों पर इसका असर पड़ेगा। मंगलवार को व्हाइट हाउस ने भारत-अमेरिका समझौते पर जो तथ्य (फैक्ट शीट) जारी किये हैं, उसे बाद में थोड़ा बदला गया, लेकिन इससे समझौता का मुख्य केन्द्र नहीं बदला, जो पूरी तरह से अमेरिका के पक्ष में है और जिसके तहत भारत ट्रंप को जब चाहे समझौते के व्यापक विवरण में छेड़छाड़ करने का हक देता है। अगर यह रणनीतिगत स्वायत्तता का आत्मसमर्पण नहीं है, तो और क्या है? जैसा कि इस लेखक ने पहले एक अन्य आलेख में बताया था, ट्रंप-मोदी समझौता भू राजनीति पर, खासकर चीन से सुरक्षा खतरे से जुड़े मामलों में साझेदारी का हिस्सा है। ऐसा लगता है कि प्रधान मंत्री को अमेरिका की एशिया-प्रशांत सामरिक रणनीति चुनने के लिए मजबूर किया गया है। इस तरह, संसद में विपक्ष के नेता राहुल गांधी गलत नहीं हैं जब वे प्रधान मंत्री पर भारत के 1.4 अरब लोगों के हितों का समर्पण करने का इल्जाम लगाते हैं। हमारे प्रधान मंत्री के पास वैश्विक दक्षिण के असली नेता के तौर पर उभरने का एक बड़ा मौका था। बदकिस्मती से भारत राष्ट, के नेता के रूप में वह चूक गए हैं और अब फिर से राष्ट्रीय हितों की कीमत पर ट्रंप को लुभाने के पुराने रास्ते पर चल रहे हैं?

संसदीय गतिरोध की राजनीति

अगर राजनैतिक परिणामों की बात करें तो साफ है कि लोक सभा चलने न चलने की इस लड़ाई में पलड़ा फिलहाल विपक्ष और राहुल की तरफ झुका है। राहुल अपने साथ सारे विपक्ष को सदन से बाहर ले जाने में सफल रहे। और जब हफ्ता बीतने के बाद लोक सभा अध्यक्ष ने राहुल की जगह कांग्रेस के ही शशि थरूर को बोलने का अवसर दिया तो उन्होंने भी पहले राहुल को बुलाने की बात कहकर भाषण देने से मना कर दिया

-अरविन्द मोहन

कहने को संसद का बजट सत्र चल रहा है लेकिन संसदीय कार्य और उसकी मंजूरी से चलने वाले जरूरी सरकारी कामकाज के हिसाब को देखा जाए तो एक बड़ा शून्य न भी दिखे लेकिन सरकार और विपक्ष ने पास नंबर भी हासिल किया हो ऐसा नहीं लगता। दूसरी ओर राष्ट्रपति का अभिभाषण और बजट पेश होने जैसी न्यूनतम जरूरी कार्रवाइयों के अलावा जितनी राजनीति हावी रही है वह दुर्भाग्यपूर्ण तो है ही, उसने संसदीय काम नहीं होने दिया है या जो काम हुए हैं उनकी मयार्दा को भी कम किया है। लोकसभा अध्यक्ष ने एक हास्यास्पद बहाना बनाकर प्रधानमंत्री को सदन में उपस्थित होकर राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के पक्ष में बोलने से बचने की इजाजत दे दी। ऐसा मुल्क के इतिहास में ही नहीं दुनिया के इतिहास में भी शायद ही कहीं हुआ होगा कि प्रधानमंत्री विपक्षी की महिला सांसदों के संभावित हमले के अंदेशे से सदन में भाषण न दें। और फिर जब वे राज्य सभा में बोलें तो विपक्ष की महिला सांसदों का व्यवहार पूरा मर्यादित रहा। विपक्ष के नेता को बोलने से रोका गया हो लेकिन उसे तरह की 'गलतियां' करते हुए भाजपा के विवादास्पद सांसद निशिकांत दुबे को बोलने की इजाजत दे दी जाए।

जब विपक्ष के नेता को सदन में बोलने से लगातार रोका जाए और हंगामे के नाम पर सदन न चले तो कई तरह के सवाल उठेंगे ही। और हैरानी की बात नहीं है कि सरकारी पक्ष ही नहीं मीडिया का एक बड़ा हिस्सा सदन न चलने के साथ सार्वजनिक धन की बबार्दी का वही पुराना राग आलाप रहा है जो जमाना पहले कहा जाता था। इसी शासक दल या मीडिया ने आजकल सरकार की तरफ से होने वाले किसी भी शाहखर्ची पर, चुनाव में भारी धन की बबार्दी या नेताओं/पैसे वालों द्वारा सामाजिक आयोजनों पर भारी खर्च पर कभी आपत्ति की होती तो उनकी विश्वसनीयता भी रही। यह सवाल उठाकर मीडिया भी सरकारी भोंपू लगती है पर असली सवाल सदन चलाने का है। और राहुल गांधी जिस बात पर आड़े हैं और और पूरे विपक्ष को एक बार और गोलबंद करने में सफल लगते हैं वह काफी हल्का है। यह सही है कि सदन में विपक्ष के नेता को बोलने की आजादी तो रहनी चाहिए और अगर अध्यक्ष और सरकारी पक्ष किसी भी कारण से उन्हें रोकता है तो गलत कर रहा है। लेकिन राहुल जो मुद्दा उठा रहे हैं क्या वह इतना बड़ा है कि सारी राजनीति उसी पर केंद्रित हो जाए। साफ लगता है कि उससे ज्यादा बड़े मुद्दे मौजूद हैं जिस पर सरकार को घेरा जा सकता था। पूर्व सेना प्रमुख नरवणे की किताब की जानकारी उनकी तुलना में छोटा मुद्दा है बल्कि राज्य सभा में मल्लिकार्जुन खड़गे ने ज्यादा व्यापक मुद्दे उठाकर सरकार को घेरा। प्रदर्शन का मामला हो तो प्रधानमंत्री का राज्यसभा में दिया भाषण और भी एकतरफा और कमजोर था। वे नेहरू विरोध का एक विमर्श चला रहे हैं जिसमें 2014 से एक काल विभाजन भी दिखाते हैं। इस बार उन्होंने और नीचे स्तर पर उतर कर इस विमर्श में यह भी जोड़ा कि इस परिवार ने गांधी उपनाम चुराया। उनके इस बार के भाषण से यह भी लगा कि अब उनकी (और जाहिर तौर पर भाजपा की) रणनीति गैर-कांग्रेसवाद की जगह नेहरू-गांधी परिवार को ही निशाना बनाने की है। इससे राहुल गांधी का महत्व बढ़ रहा है या घट रहा है इस सवाल पर भी विचार किया जाना चाहिए। लोक सभा में अध्यक्ष ओम बिड़ला ने अगर भाजपा के निशिकांत दुबे को बोलने का अवसर दिया तो उन्होंने भी अनेक किताबें उद्धृत करके नेहरू को ही निशाना बनाया। अब लोक सभा तथा संसद के मंच का इस्तेमाल इस तरह के राजनैतिक एजेंडा के लिए होना कितना उचित है, इस सवाल को थोड़ी देर के लिए भूल भी जाएं तो साफ है कि यह खराब राजनीति है। राहुल द्वारा उठाया मुद्दा भी हल्का है तो प्रधानमंत्री द्वारा दिया 'जवाब' उससे भी हल्का है।

अगर राजनैतिक परिणामों की बात करें तो साफ है कि लोक सभा चलने न चलने की इस लड़ाई में पलड़ा फिलहाल विपक्ष और राहुल की तरफ झुका है। राहुल अपने साथ सारे विपक्ष को सदन से बाहर ले जाने में सफल रहे। और जब हफ्ता बीतने के बाद लोक सभा अध्यक्ष ने राहुल की जगह कांग्रेस के ही शशि थरूर को बोलने का अवसर दिया तो उन्होंने भी पहले राहुल को बुलाने की बात कहकर भाषण देने से मना कर दिया। हम जानते हैं कि इधर थरूर हर बात में कांग्रेस और राहुल को परेशान करने में ही आनंद महसूस करते थे और भाजपा का खेल खेलने के लिए जाने जाते थे। इतना ही नहीं विपक्ष लोक सभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने पर भी विचार कर रहा है। अगर मोदी जी और भाजपा सदन की अपनी लड़ाई को एक राजनैतिक रूप देने की रणनीति से चल रही है तो विपक्षी एकजुटता जैसा नतीजा सामने आना उसकी आंख खोलने के लिए पर्याप्त होना चाहिए। राहुल की रणनीति हल्की होगी लेकिन अगर वे बिखरे विपक्ष को साथ ले जाते हैं तो यह कम बड़ी उपलब्धि नहीं होगी। हमने जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने और सरकारी पक्ष की परेशानियां पहले देखी हैं।

सरकार ने भी राहुल गांधी के खिलाफ अप्रकाशित किताब के अंश पढ़ने और इस किताब को वितरित करने जैसे सवालों को उठाते हुए प्राथमिकी दर्ज की है लेकिन उससे राजनैतिक लड़ाई पर ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा। सदन में किताब की जानकारी पर चर्चा नहीं हो सकती जैसा तर्क भी लचर है पर ये छोटी बातें हैं बड़ी बात सदन न चलना और संसदीय कामकाज का पटरी से उतरना है। सदन की कमेटियों में काम नहीं हो रहा है। बिल को चुपचाप और झटपट लाकर बहुमत के जोर से पास कराया जाता है। मात्र दो संयुक्त संसदीय समितियां काम कर रही हैं, वक्फ बिल पर बनी समिति ने विपक्ष के एक भी सुझाव को नहीं माना और सबको खारिज किया। जब यही करना हो तो समिति बनाने का नाटक क्यों?

उधर एक-एक दिन में जाने कितने बिल पास करने का रिकार्ड बन रहा है। विपक्ष को बोलने से रोका जा रहा है। कभी आडवाणी जैसे वरिष्ठ भाज्यपाई को ही बोलने से रोका गया और जब लोक सभा अध्यक्ष तथा राज्यसभा के सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की स्थिति हो तो निष्पक्षता किस चिड़िया का नाम है, यह सवाल उठेगा ही। सात साल से लोक सभा का उपाध्यक्ष ही नदारद है क्योंकि सदन की परंपरा के हिसाब से यह पद विपक्ष को मिलना चाहिए भाजपा पक्ष-विपक्ष दोनों कुर्सियों पर पांव फैलाए रखना चाहती है। जब इतनी सारी शिकायतें हों तो मौजूदा गतिरोध छोटी चीज है और दिखावटी भी।

खेल/विदेश/कारोबार

बांग्लादेश चुनाव को शेख हसीना ने बताया गैरकानूनी, कर दी ये मांग

(एजेन्सी)।

12 फरवरी, 2026 को हुए चुनावों के समापन के बाद अपने पहले बयान में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने चुनावों की निंदा करते हुए उन्हें सुनियोजित तमाशा, अवैध और असंवैधानिक बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि 11 फरवरी की शाम से ही व्यापक धांधली शुरू हो गई थी, जिसमें मतदान केंद्रों पर कब्जा, गोलीबारी और वोटों की खरीद के लिए पैसे का इस्तेमाल शामिल था। हसीना ने यूनुस के इस्तीफे, सभी राजनीतिक कैदियों की रिहाई और अवामी लीग की राजनीतिक गतिविधियों की बहाली की मांग की। उनकी पार्टी, अवामी लीग ने दावा किया कि उसकी भागीदारी के बिना हुए ये चुनाव लोकतांत्रिक मानकों और संवैधानिक सिद्धांतों का पालन करने में विफल रहे। मतदान समाप्त होने और मतगणना शुरू होने के बाद, पार्टी ने नागरिकों को "मतदाता-विहीन" चुनाव को अस्वीकार करने के लिए आभार व्यक्त किया।

अवामी लीग ने दावा किया कि मतदान प्रक्रिया, जो कथित तौर पर गंभीर अनियमितताओं के साथ शुरू हुई थी, मतदान केंद्रों पर कब्जा, गोलीबारी और मतदाताओं को अवैध रूप से वित्तीय प्रलोभन देने जैसी घटनाओं से चिह्नित थी। इसके अलावा, पार्टी ने कुछ व्यक्तियों पर वोट खरीदने, मतपत्रों पर अनुचित निशान लगाने और वास्तविक मतदाताओं की भागीदारी के अभाव में पार्टी एजेंटों द्वारा परिणाम पत्रकों पर हस्ताक्षर करने का आरोप लगाया। बांग्लादेश में महत्वपूर्ण आम चुनाव के लिए लोगों ने बृहस्पतिवार मतदान किया। हालांकि, मतदान छिटपुट हिंसा की घटनाओं से प्रभावित रहा। बांग्लादेश में जटिल 84 सूत्री सुधार पैकेज पर जनमत संग्रह के साथ-साथ 13वां आम चुनाव कराया गया है। देश भर में 300 में से 299 संसदीय सीट पर मतदान सुबह साढ़े सात बजे (स्थानीय समयानुसार) शुरू हुआ और शाम साढ़े चार बजे तक जारी रहा। हालांकि, जिन जगहों पर मतदाता मतदान केंद्र के अंदर थे, वहां उनके मतदान करने तक मतदान जारी रहेगा। कई जगहों पर मतगणना शुरू हो चुकी है। एक उम्मीदवार की मृत्यु होने के कारण एक निर्वाचन क्षेत्र में मतदान रद्द कर दिया गया है। मतदान शुरू होने के बाद देश की दो प्रमुख प्रतिद्वंद्वी पार्टियों के शीर्ष नेताओं के साथ-साथ अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने बृहस्पतिवार को अपने वोट डाले।

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के अध्यक्ष तारिक रहमान ने ढाका के रिहायशी गुलशन इलाके में स्थित गुलशन मॉडल स्कूल एवं कॉलेज में बने मतदान केंद्र में अपना वोट डाला। रहमान पार्टी के प्रमुख उम्मीदवार के रूप में उभरे हैं। रहमान ने मतदान केंद्र से बाहर निकलते हुए कहा, मैंने मतदान के अपने संवैधानिक अधिकार का प्रयोग किया है। बांग्लादेश की जनता एक दशक से अधिक समय से इस दिन का इंतजार कर रही थी। बीएनपी की पूर्व सहयोगी और अब मुख्य प्रतिद्वंद्वी जमात-ए-इस्लामी के प्रमुख शफीकुर रहमान ने मोनीपुर उच्च विद्यालय एवं कॉलेज में अपना वोट डाला।

पाकिस्तान का कराची शहर गोलियों से दहला, 4 की मौत, 5 गंभीर रूप से घायल

(एजेन्सी)।

कराची के विभिन्न इलाकों में गोलीबारी की चार अलग-अलग घटनाओं में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। मेमन गोठ मोहल्ले में दो पुरुषों की गोली मारकर हत्या कर दी गई और एक महिला घायल हो गई। पुलिस के अनुसार, दोनों मृतकों के सिर में गंभीर चोटें आई थीं। घायल महिला सुपर हाईवे के पास एक निजी आवासीय सोसायटी के नजदीक झाड़ियों वाले इलाके में मिली। अपने शुरूआती बयान में पीड़िता ने दावा किया कि दो अज्ञात लोगों ने गोली चलाई और फिर भाग गए। जांचकताओं ने घटनास्थल से कई 9 पिस्तौल के खाली कारतूस और शराब की खाली बोतलें बरामद कीं। एआरवाई न्यूज के अनुसार, अभी तक मकसद का पता नहीं चल पाया है।

हुजैफा नाम का एक युवक लूट का विरोध करते हुए पेट में गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया। पास में मौजूद भीड़ ने भाग रहे लुटेरों को रोका, उनकी जमकर पिटाई की और बाद में उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया। दिल्ली कॉलोनी में गोलीबारी की घटना में तीन लोग घायल हो गए। एआरवाई न्यूज के अनुसार, चारों घटनाओं की जांच जारी है। एआरवाई न्यूज के अनुसार, 11 फरवरी को स्वात में बच्चों के बीच हुए विवाद के कारण भड़की हिंसक झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। एआरवाई न्यूज के मुताबिक, मृतक की पहचान एडवोकेट अत्ताउल्लाह जान के रूप में हुई है, जो शाना करपा हाजी आबाद इलाके के रहने वाले थे।

मृतक के शव और घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां घायलों का इलाज चल रहा है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है और झड़प का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। एआरवाई न्यूज के मुताबिक, इससे पहले लाहौर उच्च न्यायालय ने बसंत की घटनाओं से संबंधित एक याचिका पर सुनवाई करते हुए पंजाब के गृह सचिव और सीसीपीओ से रिपोर्ट तलब की थी। उच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति अवैस खालिद की पीठ ने बसंत उत्सव के दौरान हुई मौतों और घायलों के संबंध में एडवोकेट अजहर सिद्दीकी की याचिका पर सुनवाई की।

कप्तान मार्श की जगह स्टीवन स्मिथ को बुलावा, ऑस्ट्रेलियाई टीम में बड़ा फेरबदल

(एजेन्सी)।

ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए टी20 वर्ल्ड कप की शुरूआत से पहले हालात कुछ अचानक बदले नजर आए। अभ्यास सत्र के दौरान कप्तान मिचेल मार्श को लगी चोट के चलते टीम प्रबंधन को आखिरी वक्त पर बड़ा फैसला लेना पड़ा। इसी कड़ी में स्टीवन स्मिथ को कवर खिलाड़ी के तौर पर ऑस्ट्रेलिया के विश्व कप स्क्वाड में शामिल किया गया। बता दें कि मिचेल मार्श को हाल ही में ट्रेनिंग के दौरान कमर के निचले हिस्से में गंभीर चोट लगी थी। मौजूद जानकारी के अनुसार, यह चोट टेस्टिकुलर ब्लीडिंग से जुड़ी बताई जा रही है, जिसके कारण उन्हें आयरलैंड के खिलाफ पहले मुकाबले से बाहर रहना पड़ा। हैरानी की बात यह रही कि मार्श ने मंगलवार को निर्धारित प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की थी, लेकिन टॉस से महज 15 मिनट पहले उनके खेलने पर रोक की खबर सामने आई।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि मार्श लगातार दर्द और असहजता महसूस कर रहे हैं, जिससे उनकी मूवमेंट प्रभावित हो रही है। स्कैन रिपोर्ट में अंदरूनी रक्तस्राव की पुष्टि हुई है और उन्हें फिलहाल आराम और रिहैबिलिटेशन की जरूरत है। उनकी वापसी लक्षणों में सुधार और मेडिकल सलाह के आधार पर तय की जाएगी। गौरतलब है कि मार्श की गैरमौजूदगी में ऑस्ट्रेलिया को शुरूआती मैच के लिए सीमित विकल्पों के साथ उतरना पड़ा। तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड पहले ही स्क्वाड से बाहर हैं और उनका औपचारिक रिप्लेसमेंट अभी तय नहीं हुआ है। वहीं, टिम डेविड को हैमस्ट्रिंग इंजरी से उबरने के लिए जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाले मुकाबले तक आराम दिया गया है। ऐसे में टीम के पास प्रभावी तौर पर सिर्फ 12 खिलाड़ियों का ही विकल्प बचा था। इसी परिस्थिति को देखते हुए स्टीवन स्मिथ को श्रीलंका बुलाया गया है, ताकि जरूरत पड़ने पर वह तुरंत टीम से जुड़ सकें। स्मिथ ने आखिरी बार फरवरी 2024 में टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला था, लेकिन हालिया बिग बैश लीग में उनका प्रदर्शन काफी प्रभावशाली रहा है। उन्होंने सिडनी सिक्सर्स के लिए छह पारियों में 299 रन बनाए, औसत 59.80 और स्ट्राइक रेट 167.97 रहा, जिसने चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा है।

गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलिया का यह टूर्नामेंट से पहले का सफर चोटों से काफी प्रभावित रहा है। मिचेल मार्श के अलावा पैट कमिंस और जोश हेजलवुड जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी शुरूआती स्क्वाड से बाहर हो चुके हैं। ऐसे में टीम संतुलन बनाए रखने के लिए बैकअप खिलाड़ियों पर भरोसा कर रही है और स्मिथ की मौजूदगी अनुभव के लिहाज से अहम मानी जा रही है।

परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में अदाणी समूह की एंट्री! 'अदाणी एटॉमिक एनर्जी लिमिटेड' का गठन

(एजेन्सी)।

अडानी पावर ने गुरुवार को न्यूक्लियर या एटॉमिक एनर्जी से मिलने वाली बिजली बनाने, भेजने और बांटने के लिए एक नई एटॉमिक एनर्जी यूनिट बनाने की घोषणा की। अदाणी पावर ने परमाणु एवं नाभिकीय ऊर्जा से प्राप्त बिजली के उत्पादन, पारेषण एवं वितरण के लिए पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी अदाणी एटॉमिक एनर्जी लिमिटेड (एएईएल) का गठन किया है।

नई यूनिट, जिसे ऑफिशियली अडानी एटॉमिक एनर्जी लिमिटेड के नाम से जाना जाता है, कंपनी की पूरी तरह से मालिकाना हक वाली सब्सिडियरी के तौर पर 5 लाख रुपये के शुरूआती इन्वेस्टमेंट के साथ बनाई गई है। अडानी पावर शेयर प्राइसः अडानी पावर लिमिटेड के शेयर बुधवार को 1.75 रुपये (+1.17%) की बढ़ोतरी के बाद 150.85 रुपये प्रति शेयर पर बंद हुए। कंपनी ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि एएईएल को 5,00,000 रुपये की अधिकृत पूंजी के साथ गठित किया गया है। इसे 10 रुपये अंकित मूल्य वाले 50,000 शेयर में विभाजित किया गया है। अदाणी पावर की एएईएल में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी है। कंपनी ने कहा कि एएईएल का भारत में 11 फरवरी 2026 को गठन किया गया। उसी दिन इसे केंद्रीय पंजीकरण केंद्र, कंपनी रजिस्ट्रार से निगमण प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ। इसमें कहा गया कि अदाणी एटॉमिक एनर्जी लिमिटेड कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी इकाई है और इसलिए ही यह कंपनी की संबंधित पक्ष इकाई भी है।

यह भारतीय संसद द्वारा सस्टेनेबल हार्नेसिंग एंड एडवांसमेंट ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया बिल पास करने के दो महीने बाद हुआ है, जिससे एक ऐसे सेक्टर में प्राइवेट हिस्सेदारी का रास्ता साफ हुआ है जिस पर अब तक सरकार का कड़ा कंट्रोल रहा है। इस कदम से भारत की न्यूक्लियर एनर्जी पॉलिसी में एक बड़ा बदलाव आया है।

बेल्जियम के आगे पस्त हुई भारतीय टीम

(एजेन्सी)।

राउरकेला की बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में बुधवार की शाम भारतीय पुरुष हॉकी टीम के लिए उम्मीदों भरी शुरूआत वैसी नहीं रही, जैसी घरेलू दर्शक चाहते थे। नई एफआईएच प्रो लीग सीजन की शुरूआत भारत ने बेल्जियम के खिलाफ मुकाबले से की, लेकिन टीम को 1-3 से हार का सामना करना पड़ा।

बता दें कि फ्लडलाइट्स में खेले गए इस मुकाबले में स्टेडियम लगभग खचाखच भरा रहा, हालांकि खेल की शुरूआती लय बेल्जियम के पक्ष में दिखी। पहले क्वार्टर में दोनों टीमों ने संभलकर खेला और ज्यादा मौके नहीं बने। मौजूद जानकारी के अनुसार, दूसरे क्वार्टर में भारत की एक चूक भारी पड़ गई, जब कप्तान हरमनप्रीत सिंह के गलत पास का फायदा उठाते हुए 23वें मिनट में नेल्सन ओनाना ने शानदार फिनिश कर बेल्जियम को बढ़त दिला दी।

भारत ने हालांकि जल्दी वापसी की कोशिश की। पांच मिनट बाद शिलानंद लाकड़ा ने पेनल्टी कॉर्नर हासिल कराया और रिबाउंड पर गोल दागकर स्कोर 1-1 कर दिया। गौरतलब है कि शिलानंद लाकड़ा पूरे मैच में भारतीय टीम के सबसे प्रभावी खिलाड़ी नजर आए और उनकी ऊर्जा व वर्क रेट लगातार दिखाई दी।

तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमों को मौके मिले, लेकिन कोई भी उन्हें गोल में नहीं बदल सका। निर्णायक मोड़ आखिरी क्वार्टर में आया, जहां बेल्जियम की आक्रमण क्षमता भारत पर भारी पड़ी। 53वें मिनट में रोमन डुवेकोट ने दबाव में सही पास निकाला, जिस पर थॉमस क्रोल्स ने जोरदार शॉट लगाकर गोलकीपर सूरज कारकेरा को छकाया।

इसके बाद 57वें मिनट में अर्नो वान डेसल ने नजदीक से शानदार गोल कर स्कोर 3-1 कर दिया और मुकाबला लगभग बेल्जियम के पक्ष में खत्म हो गया। इस जीत के साथ बेल्जियम ने प्रो लीग में छह में से पांचवां मुकाबला जीतकर तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। गौरतलब है कि भारतीय टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन के लिए यह मुकाबला सीख लेकर आया। अब टीम का अगला मुकाबला गुरुवार को अर्जेंटीना के खिलाफ है, जहां भारतीय खेमे से हर विभाग में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है, ताकि घरेलू दर्शकों के सामने वापसी की जा सके।

लालगंज में टमाटर पेस्ट उत्पादन प्लांट का जिलाधिकारी ने किया शुभारंभ, कहा-औद्योगिक विकास से बढ़ेगा स्थानीय रोजगार

एसबी ब्यूरो प्रमुख/डॉ. संजय

हाजीपुर। वैशाली जिले के औद्योगिक विकास को नई गति देते हुए 12 फरवरी 2026 को जिला पदाधिकारी, वैशाली, वर्षा सिंह ने लालगंज प्रखंड स्थित परमान न्यूट्रीशनल्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा स्थापित पेस्ट प्रोडक्शन फ्रॉम रॉ टोमैटो सीजन 2026 प्लांट का विधिवत उद्घाटन किया। उद्घाटन के उपरांत उन्होंने इकाई का विस्तृत स्थलीय निरीक्षण कर उत्पादन प्रक्रिया, तकनीकी व्यवस्था एवं सुरक्षा मानकों की समीक्षा की।

कार्यक्रम की शुरूआत साइट प्रेजेंटेशन से हुई जिसमें कंपनी प्रतिनिधियों द्वारा उत्पादित वस्तुओं, गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली (क्वालिटी एवं हाइजीन), सेफ्टी गाइडलाइंस, कंट्रोल एवं डिफेंस सिस्टम, तकनीकी प्रक्रिया, विजन एवं उत्पादन क्षमता के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। जिला पदाधिकारी ने प्लांट की तकनीकी प्रणाली, सुरक्षा उपायों एवं संचालन व्यवस्था का गहन अवलोकन करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस अवसर पर आयोजित उद्योग वार्ता के दौरान इकाई प्रबंधन ने सुरक्षा एवं सिक्योरिटी, ड्रेनेज व्यवस्था तथा टोमैटो वेस्टेज के उपयोग से संबंधित प्रमुख समस्याएँ जिला पदाधिकारी के समक्ष रखीं। त्वरित संज्ञान लेते हुए जिला पदाधिकारी ने एसएचओ, लालगंज एवं एसडीपीओ, लालगंज को इकाई के समीप चेक पोस्ट स्थापित करने तथा सुरक्षा मानकों के अनुरूप आवश्यक सुविधाएँ शीघ्र उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

इकाई द्वारा अवगत कराया गया कि प्रतिदिन लगभग 200 केएल ट्रीटेड पानी का उत्पादन होता है। इस पर जिला पदाधिकारी ने नगर परिषद, लालगंज एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी, लालगंज को निर्देशित किया कि ट्रीटेड पानी के समुचित उपयोग की व्यवस्था कर शीघ्र समाधान सुनिश्चित करें।

टोमैटो वेस्टेज के उपयोग को लेकर जिला पदाधिकारी ने जिला कृषि पदाधिकारी, वैशाली एवं महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र, वैशाली को निर्देश दिया कि इसे रॉ मटेरियल के रूप में अन्य इकाइयों-जैसे पोल्ट्री फीड एवं कैटल फीड-को उपलब्ध कराने की समन्वित व्यवस्था की जाए। इसी क्रम में लालगंज के उद्यमी ओवल एग्रोटेक ने टोमैटो वेस्टेज को रॉ मटेरियल के रूप में लेने की सहमति व्यक्त की।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील के विरोध में 23 से 25 फरवरी तक सीएम आवास पर महापड़ाव का ऐलान

■ 17-18 फरवरी को जिलों में पुतला दहन, 24 को मशाल जुलूस निकलेगा!

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा की प्रदेश स्तरीय बैठक गुरुवार को डेरा कार सेवा में आयोजित की गई। बैठक में मोर्चा से जुड़े विभिन्न किसान संगठनों के प्रतिनिधियों ने भारत-अमेरिका प्रस्तावित ट्रेड डील का कड़ा विरोध करते हुए 23 से 25 फरवरी तक कुरुक्षेत्र स्थित मुख्यमंत्री आवास पर महापड़ाव डालने का ऐलान किया।

बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी भारतीय किसान यूनियन सर छोटूराम के प्रवक्ता बहादुर मैहला बलड़ी ने दी। किसान नेताओं ने बताया कि 23 फरवरी को देवीलाल पार्क में प्रदेशभर से किसान एकत्रित होंगे और वहां से कूच करते हुए सीएम आवास पर महापड़ाव डालेंगे। 24 फरवरी को कुरुक्षेत्र शहर में मशाल जुलूस निकाला जाएगा, जिसमें हजारों किसानों के शामिल होने की संभावना है।

किसान संगठनों ने यह भी घोषणा की कि 17 और 18 फरवरी को हरियाणा के सभी जिलों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के पुतले फूंके जाएंगे।

किसान नेताओं ने कहा कि भारत-अमेरिका के बीच प्रस्तावित ट्रेड डील भारतीय किसानों के हितों के खिलाफ है। उनका आरोप है कि केंद्र सरकार की नीतियां किसानों को कर्ज के बोझ तले दबा रही हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार तीन कृषि कानूनों को वापस करवाने के लिए आंदोलन किया गया था, उसी तरह इस ट्रेड डील को रुकवाने के लिए भी बड़ा आंदोलन किया जाएगा और इसकी शुरूआत हरियाणा से होगी।

बैठक में हरियाणा की मंडियों में कथित हजारों करोड़ रुपये के धान घोटाले और बुजुर्ग किसानों की पेंशन कटौती का मुद्दा भी उठाया गया। किसान नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार घोटाले के बड़े आरोपियों को बचा रही है और केवल छोटे अधिकारियों पर कार्रवाई की जा रही है। किसान संगठनों ने बिजली संशोधन बिल, फसलों पर एमएसपी की गारंटी और किसानों पर बढ़ते कर्ज को भी आंदोलन के मुख्य मुद्दों में शामिल किया है।

बैठक में पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष मंदीप नथवान, अमरजीत मोहड़ी, जगदीप औलख, लखविंद्र सिरसा, प्रिंस वड़ैच पेहवा, किसान पंचायत अध्यक्ष दलबीर सिंह, बलराज सरपंच, चरणजीत बाजवा, हरेंद्र राणा, अमृतपाल बुग्गा, बहादुर मैहला बलड़ी, जोशपाल गिल, राममेहर नंबरदार, सतपाल चहल व साहब सिंह बालू सहित कई किसान नेता उपस्थित रहे।

न्यायिक कार्य से विरत रहे अधिवक्ता

डीएम पोर्टिको में प्रदर्शन करते हुए अधिवक्ता। (छाया: एसबी)

एसबी संवाददाता

वाराणसी। वृहस्पतिवार को बनारस बार एवं सेन्ट्रल बार के संयुक्त प्रस्तावक अधिवक्ता मुकेश मिश्रा, सुनील दत्त मिश्रा प्रियंक पारिख आदि अधिवक्तागण के प्रस्ताव पर व रामपुर बार के समर्थन में रामपुर के अधिवक्ता फारुख अहमद खॉ को गोली मारकर हत्या और अधिवक्ता शैलेन्द्र कुमार सिंह को मारपीट कर गम्भीर रूप से घायल किए जाने के विरोध में संयुक्त बार के आहवान पर अधिवक्तागण सम्पूर्ण दिवस न्यायिक कार्य से विरत रहे।

घटना के विरोध स्वरूप बनारस बार एसोसिएशन के सभागार में सुबह अधिवक्ताओं की जुटान हुई। जुलूस निकालकर अधिवक्ता सिविल कोर्ट से नारेबाजी करते हुए कलेक्टर पहुंचे। कलेक्ट्रेट में डीएम पोर्टिको पर अधिवक्ताओं ने सभा की और प्रदेश और केंद्र सरकार से मांग किया की जल्द से जल्द पुरे देश में एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू किया जाए नही तो अधिवक्ता अग्र आन्दोलन को बाध्य होंगे। बनारस बार के अध्यक्ष विनोद शुक्ला, महामंत्री सुधांशु मिश्र, आशीष सिंह, प्रेम प्रकाश सिंह गौतम, विधु प्रकाश पाण्डेय, विपिन शुक्ला, नित्यानंद राय, विवेक सिंह, गौतम कुमार झा आदि अधिवक्ता उपस्थित थे।

कचहरी विस्थापन पर एक मत दिखे अधिवक्ता

कचहरी विस्थापन के मुद्दे पर सेन्ट्रल बार में उपस्थित अधिवक्तागण। (छाया: एसबी)

एसबी संवाददाता

वाराणसी। वृहस्पतिवार को कचहरी विस्थापन के मुद्दे पर सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के पाण्डया सभागार में मुरलीधर सिंह और सुरेन्द्र नाथ पांडेय के प्रस्ताव पर संयुक्त बार द्वारा आमसभा की बैठक आहूत की गई।

आमसभा में अधिकांश अधिवक्ताओं ने आधुनिक संसाधनों से युक्त कचहरी को सेन्ट्रल जेल की जमीन पर विस्थापित करने पर अपनी सहमति दी। कुछ अधिवक्ताओं का कहना था कि कचहरी के साथ कलेक्ट्रेट को भी सेन्ट्रल जेल की जमीन पर विस्थापित करना चाहिए। कुछ अधिवक्ताओं के विरोधाभासी रुख को देखते हुए आमसभा की बैठक आज भी जारी रहेगी। आमसभा का संचालन सेन्ट्रल बार के महामंत्री आशीष सिंह ने तथा अध्यक्षता अध्यक्ष प्रेम प्रकाश सिंह गौतम ने किया। अशोक सिंह दाढ़ी, शैलेश सिंह, मीरा यादव, यामिनी शर्मा, ब्रजेश मिश्रा, विवेक शंकर तिवारी, अनुज यादव ने विचार व्यक्त किया।

इस अवसर पर बनारस बार के अध्यक्ष विनोद शुक्ला, महामंत्री सुधांशु मिश्र, विवेक सिंह, गौतम कुमार झा, नित्यानंद राय, सुरेन्द्र नाथ पांडेय आदि अधिवक्ता उपस्थित थे।

राजौंद की वार्ड 9-11 की गली बनी खतरे का सबब, नागरिकों का सब्र जवाब देने लगा

टूटी पाइप लाइन से परेशान हो कर प्रशासन का विरोध करते नागरिक। (छाया: एसबी)

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। राजौंद के मेन बाजार स्थित रामलीला ग्राउंड के समीप वार्ड नंबर 9 व 11 की सांझी गली पिछले दो महीनों से गंभीर समस्या का सामना कर रही है। जनस्वास्थ्य अभियंत्रिकी विभाग द्वारा बिछाई नई सीवरेज पाइपलाइन टूट गई और पेयजल पाइप से लगातार हो रही लीकेज के कारण गली में लगभग चार फुट गहरा खड्डा बन गया है, जिस में पानी का रिसाव होता रहता है।

■ वार्ड में पेयजल लीकेज व टूटी सीवरेज से हालात बदतर, मुख्यमंत्री व उपायुक्त से स्थायी समाधान की मांग

स्थानीय नागरिकों व दुकानदारों के अनुसार इस समस्या की कई बार विभाग को शिकायत दी गई तथा मीडिया में भी समाचार प्रकाशित हुए, लेकिन आज तक न तो पेयजल लीकेज बंद हुई और न ही टूटी सीवरेज पाइपलाइन की मरम्मत हो पाई। हालात इतने खराब हैं कि दोपहिया व चारपहिया वाहनों, ट्रैक्टर और बुग्गी का आवागमन पूरी तरह बाधित हो चुका है। बारिश के दिनों में स्थिति और भी भयावह हो जाती है।

यह खड्डा केबीएस लाइब्रेरी एवं स्टडी सेंटर के मुख्य द्वार के सामने होने से विद्यार्थियों, विशेषकर छात्राओं को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। कई बच्चे इस खड्डे में गिरकर चोटिल भी हो चुके हैं। लगातार पानी के रिसाव से आस-पास के मकानों व दुकानों की नींव कमजोर हो गई है और कुछ भवन गिरने की कगार पर हैं।

क्षेत्रवासियों ने मुख्यमंत्री हरियाणा, उपायुक्त कैथल व जनस्वास्थ्य अभियंत्रिकी विभाग के अधिकारियों से पुरानी पेयजल पाइपलाइन हटाकर नई पाइपलाइन बिछाने तथा सीवरेज लाइन की तुरंत मरम्मत की मांग की है। नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र स्थायी समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

सूर्य नमस्कार अभियान के समापन समारोह के अंतर्गत चार जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

■ अभियान के तहत 5 लाख 78 हजार 9 लोगों ने किया पंजीकरण

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा योग आयोग एवं आयुष विभाग के संयुक्त तत्वावधान में तथा जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. सतपाल के मार्गदर्शन में सूर्य नमस्कार अभियान के समापन समारोह के अंतर्गत चार जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए गए।

आयुष विभाग करनाल के योग विशेषज्ञ तथा हरियाणा योग आयोग करनाल के नोडल अधिकारी डॉ. अमित पुंज ने बताया कि प्रथम कार्यक्रम 'मेरा मिशन स्वस्थ भारत' टीम के साथ श्री कृष्ण कृपा धाम सेक्टर-9 करनाल में किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि परम श्रद्धेय गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज रहे। उन्होंने कहा कि योग तन-मन के स्वास्थ्य तथा आध्यात्मिक उत्थान के लिए आवश्यक है। सभी को प्रतिदिन योग करना चाहिए तथा आध्यात्मिक ग्रंथों का अध्ययन व चिंतन भी करना चाहिए।

इस मौके पर मेरा मिशन स्वस्थ भारत के संस्थापक तथा मुख्य योग शिक्षक दिनेश गुलाटी ने सभी साधकों को मंत्रोच्चारण के साथ सूर्य नमस्कार के 12 अभ्यास करवाए। मेरा मिशन स्वस्थ भारत के संस्थापक दिनेश गुलाटी ने बताया कि फेसबुक के माध्यम से ऑनलाइन एवं ऑफलाइन हजारों लोगों ने इस अभियान में सक्रिय भागीदारी की है। उन्होंने बताया कि मिशन द्वारा 2 लाख 50 हजार सूर्य नमस्कार अभियान चलाया गया, जिसे सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया। उन्होंने आयुष विभाग करनाल तथा हरियाणा योग आयोग का विशेष धन्यवाद किया।

इसी कड़ी में द्वितीय कार्यक्रम आर्य समाज सेक्टर-6 करनाल में आयोजित किया गया। महर्षि दयानंद सरस्वती जयंती के अवसर पर यज्ञ तथा 12 बार सूर्य नमस्कार किया गया। कार्यक्रम में महिला पतंजलि योग समिति की प्रधान सुनीता नरवाल तथा मुख्य योग शिक्षक कृष्ण अरोड़ा उपस्थित रहे। प्रधान सुनीता नरवाल ने बताया कि पतंजलि योग समिति द्वारा 100 से अधिक कक्षाओं में प्रतिदिन योग अभ्यास करवाया जा रहा है।

इसी प्रकार तृतीय कार्यक्रम कनिका पब्लिक स्कूल करनाल में किया गया। इस अवसर पर स्कूल के सभी बच्चों ने सूर्य नमस्कार किया तथा महर्षि दयानंद की शिक्षाओं पर व्याख्यान भी दिया। कार्यक्रम में भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के अध्यक्ष सोमनाथ अरोड़ा मुख्य अतिथि रहे। साथ ही स्कूल के एकेडमिक डायरेक्टर जसप्रीत अरोड़ा, स्कूल निदेशक राज अरोड़ा, प्रिंसिपल मंजु गाइड, कैप्टन वीना अरोड़ा, कोऑर्डिनेटर साक्षी कालड़ा, कुसुम जैन तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

इसी प्रकार चतुर्थ कार्यक्रम के अंतर्गत जिला कारागार करनाल में जेल अधीक्षक लखबीर सिंह बराड़ की अध्यक्षता में तथा डीएसपी सुरेंद्र सिंह, डीएसपी अजय कुमार व डीएसपी धर्मचंद की देखरेख में जिला कारागार करनाल में 12 जनवरी से 12 फरवरी तक आयुष विभाग करनाल द्वारा विशेष सूर्य नमस्कार अभियान के तहत विशेष योग शिविर लगाया गया। इसी कड़ी में आज समापन समारोह के अवसर पर जिला कारागार करनाल में 580 महिला व पुरुष कैदियों ने सूर्य नमस्कार का अभ्यास किया।

इस अभियान में जिला करनाल में योग क्षेत्र में कार्य कर रही विभिन्न संस्थाएंकृपतंजलि योग समिति, भारत स्वाभिमान ट्रस्ट, मेरा मिशन स्वस्थ भारत, भारतीय योग संस्थान, हमारा मिशन स्वस्थ आदि संस्थाएं तथा शिक्षा विभाग, खेल विभाग, जिला कारागार व पुलिस विभाग ने बढ़-चढकर कार्य किया।

अधिवक्ताओं को जारी हुआ वाहन पास

अधिवक्ताओं को वाहन पास जारी करते हुए पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल। (छाया: एसबी)

एसबी संवाददाता

वाराणसी। वृहस्पतिवार को पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने पन्द्रह अधिवक्ताओं को वाहन पास जारी करके विधिवत इसका उद्घाटन कियो मुख्यालय स्थित अपने कार्यालय के बाहर पुलिस कमिश्नर ने बकायदा अपने हाथों से अधिवक्ताओं के टु व्हीलर और फोर व्हीलर पर वाहन पास चिपकाकर वाहनों को रवाना किया।

ट्रैफिक पुलिस की इस योजना से कचहरी के आसपास खड़े बेतरतीब वाहनों पर नियंत्रण स्थापित होगा साथ ही अनावश्यक जाम से मुक्ति भी मिलेगी। बिना अधिवक्ता वाहन पास लगे गाड़ियों पर सख्त कार्रवाई की जायेगी। अधिवक्तागण अपने सोओपी कार्ड की छायाप्रति और अपने गाड़ी का नंबर सेन्ट्रल बार एसोसिएशन में जमा करके अधिवक्ता वाहन पास प्राप्त कर सकते हैं।

इस अवसर पर सेन्ट्रल बार के अध्यक्ष प्रेम प्रकाश सिंह गौतम, महामंत्री आशीष सिंह, संजय सिंह दाढ़ी, सुरेन्द्र नाथ पांडेय, ब्रजेश मिश्रा, विधु प्रकाश पाण्डेय, मुरलीधर सिंह, विवेक सिंह, गौतम कुमार झा सहित दर्जनों अधिवक्ता उपस्थित थे।

राजौंद में राष्ट्रव्यापी हड़ताल के तहत विशाल प्रदर्शन, सरकार की नीतियों के खिलाफ गरजे कर्मचारी संगठन

अपनी मांगों को लेकर राजौंद में प्रदर्शन करते सरकारी कर्मचारी। (छाया: एसबी)

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। सरकार की कथित जनविरोधी नीतियों के खिलाफ राष्ट्रव्यापी हड़ताल के तहत गुरुवार को जलघर प्रांगण राजौंद में विभिन्न ट्रेड यूनियनों, कर्मचारी, किसान, मजदूर और नौजवान संगठनों ने एकजुट होकर विशाल प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में सैकड़ों की संख्या में लोगों ने भाग लिया और सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए अपनी मांगें बुलंद की।

■ 10 ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर सैकड़ों कर्मचारी, किसान, मजदूर व नौजवान सड़कों पर उतरे, आर-पार की लड़ाई का ऐलान

सभा की संयुक्त अध्यक्षता सीटू जिला कमेटी सदस्य वीरभान जखोली, आशा वर्कर यूनियन की जिला सचिव कविता तथा हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ व सर्व कर्मचारी संघ खंड राजौंद के अध्यक्ष मास्टर राजकुमार कश्यप ने की। मंच संचालन सीटू जिला सचिव नरेश कुमार रोहेड़ा एवं अध्यापक संघ जिला सचिव मास्टर अमरनाथ ने किया।

वक्ताओं ने अपने संबोधन में कच्चे कर्मचारियों को नियमित न किए जाने, निजीकरण, नई श्रम संहिताओं, नई शिक्षा नीति, बिजली संशोधन बिल, स्मार्ट मीटर, एनपीएस-यूपीएस, भारत-अमेरिका ट्रेड डील सहित अनेक नीतियों को जनविरोधी बताया।

नेताओं ने कहा कि सरकार लगातार मजदूर, कर्मचारी, किसान और गरीब वर्ग के अधिकारों पर कुठाराघात कर रही है, जिसे अब और बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभा को मास्टर अमरनाथ किठानिया, रोहतास, होशियार सिंह, संदीप, सुभाष जागलान, सुदेश गुलियाना, कृष्णा खेड़ी, चंद्रावती, सुनीता, रोशनी, ऊषा, राजबाला, जसोंदेवी, मीना, पवन रोहेड़ा व कमला देवी सहित कई नेताओं ने संबोधित किया।

वक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने मांगें शीघ्र पूरी नहीं की तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

सभा में कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने, पुरानी पेंशन बहाल करने, न्यूनतम वेतन बढ़ाने, श्रम कानूनों की बहाली सहित 15 सूत्रीय मांगों को जल्द पूरा करने की पुरजोर मांग की गई।

सब सेंटर सोंगरी में पोषण आहार व मौसमी बीमारियों को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सोंगरी में पोषण आहार व मौसमी बीमारियों को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित। (छाया: एसबी)

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। सीएमओ कैथल डॉ रेनू चावला के निर्देश, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. संदीप सिंह के मार्गदर्शन तथा कुलदीप सिंह हेल्थ इंस्पेक्टर के सहयोग से सब सेंटर सोंगरी में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान पोषण आहार के महत्व पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई तथा लोगों को संतुलित व पौष्टिक भोजन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर डॉ. अनिल कुमार एवं प्रदीप शर्मा एमपीएचडब्ल्यू (एम) द्वारा मौसमी बीमारियों को लेकर विस्तृत

■ डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया व टीबी से बचाव की दी गई विस्तृत जानकारी

जानकारी साझा की गई। उन्होंने डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया व जे.ई. जैसी बीमारियों के कारण, लक्षण, बचाव व समय पर उपचार के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही मच्छर जनित रोगों से बचाव के लिए साफ-सफाई, पानी जमा न होने देने तथा सावधानी बरतने पर विशेष जोर दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान टीबी के बारे में भी जागरूकता अभियान की शुरूआत की गई। उपस्थित लोगों को टीबी के लक्षण, जांच, उपचार व सरकारी सुविधाओं की जानकारी दी गई, ताकि समय रहते बीमारी की पहचान कर इलाज संभव हो सके।

इस जागरूकता कार्यक्रम में सभी आशा वर्कर, संजीत कुमारी एएनएम तथा गीता रानी एएनएम सहित स्वास्थ्य विभाग का अन्य स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और बीमारियों की रोकथाम सुनिश्चित करना रहा।

एडीसी ने समाधान शिविर में सुनीं समस्याएं अधिकारियों को दिए समाधान के निर्देश

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। स्थानीय लघु सचिवालय में गुरुवार को आयोजित समाधान शिविर में एडीसी सुशील कुमार ने आमजन की शिकायतों की सुनवाई की। शिविर के दौरान एडीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नागरिकों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर निपटाएं और इसमें किसी भी प्रकार की कोताही न बरतें।

एडीसी सुशील कुमार ने कहा कि बिजली, पेयजल आपूर्ति और सीवरेज से जुड़ी मूलभूत सुविधाओं का समाधान करना प्रशासन की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने एक-एक करके सभी परिवादियों की समस्याओं को विस्तार से सुना और मौके पर मौजूद संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनके त्वरित निवारण के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का एक ही छत के नीचे समाधान करना ताकि लोगों को दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें। जिला एवं उपमंडल स्तर पर प्रत्येक सोमवार और गुरुवार को सुबह 10 से 12 बजे तक इन शिविरों का आयोजन किया जाता है। जनहित के कार्यों में देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

फिल्में समाज का आईना होती हैं; वे जिंदगी को वैसा ही दिखाती हैं, जैसा है

अभिनेत्री जोया आफरोज इन दिनों वेब सीरीज तस्करी को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। उन्होंने हाल ही में बताया कि इंडस्ट्री धर्म को लेकर कभी भेदभाव नहीं करती है। अभिनेत्री ने हाल ही में फिल्म 'गांधी टॉक्स' की स्क्रीनिंग में शिरकत की थी। इस साइलेंट फिल्म का संगीत मशहूर संगीतकार ए. आर. रहमान ने दिया है। स्क्रीनिंग के दौरान अभिनेत्री ने बातचीत की। इस बातचीत में उन्होंने ए. आर. रहमान के 'कम्युनल' वाले बयान को सिरे से नकारते हुए कहा कि उनके धर्म के होने के बावजूद अभिनेत्री को फिल्म इंडस्ट्री में अब तक धर्म के आधार पर किसी भी तरह का भेदभाव झेलना नहीं पड़ा। जोया ने कहा, 'मेरा पर्सनल अनुभव अब तक ऐसा नहीं रहा है, और मुझे उम्मीद है कि आगे भी ऐसा नहीं होगा। हमारे देश में हम एकता और विविधता का जश्न मनाते हैं। मुझे लगता है कि हमें यही भावना हमेशा बनाए रखनी चाहिए।' जोया ने आगे फिल्मों की सामाजिक जिम्मेदारी पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, 'फिल्में समाज का आईना होती हैं; वे जिंदगी को वैसा ही दिखाती हैं, जैसा है। अगर कोई फिल्म बच्चों के लिए नहीं है, तो उन्हें नहीं दिखानी चाहिए। इसीलिए सर्टिफिकेशन सिस्टम है। मुझे लगता है कि इसे ऐसे ही रखना चाहिए।' 'गांधी टॉक्स' की बात करें तो यह फिल्म गांधी जी की तस्वीर को नोटों पर देखने और उनके आदर्शों के बीच के फर्क की कहानी को दिखाती है। इसकी कहानी एक ऐसे युवा व्यक्ति के ईर्द-गिर्द घूमती है, जो पैसों के लिए संघर्ष करता है। उसकी जिंदगी में एक चोर की एंट्री होती है और यहीं से कहानी एक नया मोड़ लेती है। फिल्म व्यंग्य के जरिए समाज और मूल्यों पर सवाल उठाती है।

मैं फेल हो सकती हूं मगर हार नहीं मानूंगी

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की उभरती एक्ट्रेस पायल राजपूत ने अपनी मेहनत और संघर्ष की कहानी के साथ अपने मजबूत इरादे को जाहिर किया। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि वह कभी हार नहीं मानेंगी। पायल ने स्पष्ट किया कि इंडस्ट्री में कुछ लोग उन्हें एक्टिंग छोड़ने के लिए मजबूर करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वे दृढ़ हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा, 'वे चाहते हैं कि मैं छोड़ दूं, और मैं खुद से सवाल करती हूं कि क्या मुझे ऐसा करना चाहिए। लेकिन फिर मैं पिछले 12 सालों में की गई कड़ी मेहनत के बारे में सोचती हूं। इसलिए मैं खुद से कहती हूं नहीं, मैं फेल हो सकती हूं, लेकिन हार नहीं मानूंगी।' नेपोटिज्म जैसे गंभीर मुद्दों पर पायल अक्सर अपने राय रखती रहती हैं। इससे पहले भी उन्होंने विचार व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया और फिल्म इंडस्ट्री में भाई-भतीजावाद और फेवरेटिज्म पर खुलकर बात की थी। उन्होंने लिखा था कि एक्टर बनना सबसे मुश्किल करियर में से एक है। हर दिन अनिश्चितता के साथ शुरू होता है, जहां टैलेंट से ज्यादा विशेषाधिकार और कनेक्शन हावी हो जाते हैं। पायल ने बताया था कि कई बार उन्हें शक होता है कि उनकी मेहनत और लगन ऐसी दुनिया में नोटिस होगी भी या नहीं। मौके अक्सर मशहूर सरनेम या पावरफुल एजेंट वाले लोगों के पास चले जाते हैं। फिर भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और टैलेंट पर भरोसा रखा। फिलहाल पायल कई प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। वह तेलुगू फिल्म 'वेंकटलक्ष्मी' में नजर आने वाली हैं, जिसे मशहूर डायरेक्टर मुनि बना रहे हैं। मेकर्स इस फिल्म को तेलुगू, तमिल और हिंदी में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। इसके अलावा, पायल के पास एक और तमिल फिल्म है। अनटाइटल्ड फिल्म एक बड़े बजट का प्रोजेक्ट है, जिसे जाने-माने डायरेक्टर आर.एस. दुरई सेंथिलकुमार डायरेक्ट कर रहे हैं। शूटिंग का पहला फेज चेन्नई में पूरा हो चुका है। जानकारी के अनुसार यह फिल्म सच्ची घटनाओं से प्रेरित एक रोमांचक एक्शन-ड्रामा है। संगीत जिब्रान दे रहे हैं, सिनेमैटोग्राफी एस. वेंकटेश की है, एडिटिंग प्रदीप कर रहे हैं और आर्ट डायरेक्शन दुरईराज संभाल रहे हैं।

सिनेमा जगत में वर्किंग शिफ्ट को लेकर अदिति राव हैदरी की दो-टूक

अदिति राव हैदरी फिल्मों में अलग-अलग जॉनर के किरदार निभाती हैं। सोशल इश्यूज पर बनी फिल्में भी उन्होंने की हैं। असल जिंदगी में भी वह कई मुद्दों पर अपनी बात रखती हैं। हाल ही में उन्होंने इंडस्ट्री में लंबे काम के घंटों पर अपना नजरिया बताया है।

एक्टर्स को भी अपनी देखभाल करनी होती है

वह आगे कहती हैं, 'फिलहाल मैं अपनी जिंदगी और अपने करियर के उस दौर में हूं, जहां जरूरत से ज्यादा घंटे काम कर रही हूं। लेकिन कुछ दिन ऐसे होते हैं, जब सच में महसूस होता है कि एक्टर से अच्छा काम लेने के लिए उसको रिलैक्स रखना जरूरी होता है। हम मशीन नहीं हैं, हमारे अंदर फीलिंग्स हैं। हमारी देखभाल भी बहुत जरूरी है।'

शाहरुख के साथ 'मैं हूं ना 2' बनाने पर अब फराह खान ने तोड़ी चुप्पी

पिछले कुछ वक्त से फराह खान की पहली निर्देशित फिल्म 'मैं हूं ना' के सीक्वल बनने को लेकर चर्चाएं तेज हैं। कई रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया जा रहा है कि शाहरुख खान और फराह खान एक बार फिर 'मैं हूं ना 2' के लिए साथ आ रहे हैं। अब इन चर्चाओं पर खुद फराह खान ने प्रतिक्रिया दी है। जानिए कोरियोग्राफर-निर्देशक ने 'मैं हूं ना 2' को लेकर क्या बताया? एक बयान में फराह ने 'मैं हूं ना 2' को लेकर चल रही चर्चाओं पर स्पष्ट तौर पर प्रतिक्रिया दी। फराह ने साफ तौर पर 'मैं हूं ना 2' की खबरों को खारिज करते हुए कहा, 'इन सभी अफवाहों पर विश्वास न करें।' फराह के इस बयान के बाद ये स्पष्ट हो गया है कि 'मैं हूं ना 2' नहीं बन रही है। ऐसे में शाहरुख और फराह की हिट फिल्म के सीक्वल का इंतजार कर रहे दर्शकों को निराशा हाथ लगी है।

फराह खान की बतौर निर्देशक पहली फिल्म है 'मैं हूं ना'

साल 2004 में आई 'मैं हूं ना' फराह खान द्वारा निर्देशित पहली फिल्म है। इस फिल्म में शाहरुख खान प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। उनके साथ जायेद खान, अमृता राव, सुनील शेट्टी और सुष्मिता सेन भी अहम भूमिकाओं में हैं। 'मैं हूं ना' एक रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म है, जिसमें एक्शन भी दिखता है। फिल्म में शाहरुख खान ने मेजर राम का किरदार निभाया है, जो एक लड़की की सुरक्षा में एक कॉलेज में नकली स्टूडेंट बनकर पहुंचता है। वहां उसकी मुलाकात अपने भाई लक्ष्मण से होती है। इसके बाद कहानी कई मोड़ लेते हुए अंत में देशभक्ति पर आकर ठहरती है।

फराह ने आखिरी बार 'हैप्पी न्यू ईयर' का किया था निर्देशन

फराह खान के निर्देशन में शाहरुख खान ने तीन फिल्मों में काम किया है। इनमें 'मैं हूं ना' के अलावा 'ओम शांति ओम' और 'हैप्पी न्यू ईयर' भी शामिल है। फराह खान ने आखिरी बार 2014 में आई 'हैप्पी न्यू ईयर' को डायरेक्ट किया था। इस फिल्म में शाहरुख के साथ दीपिका पादुकोण प्रमुख भूमिका में थीं।

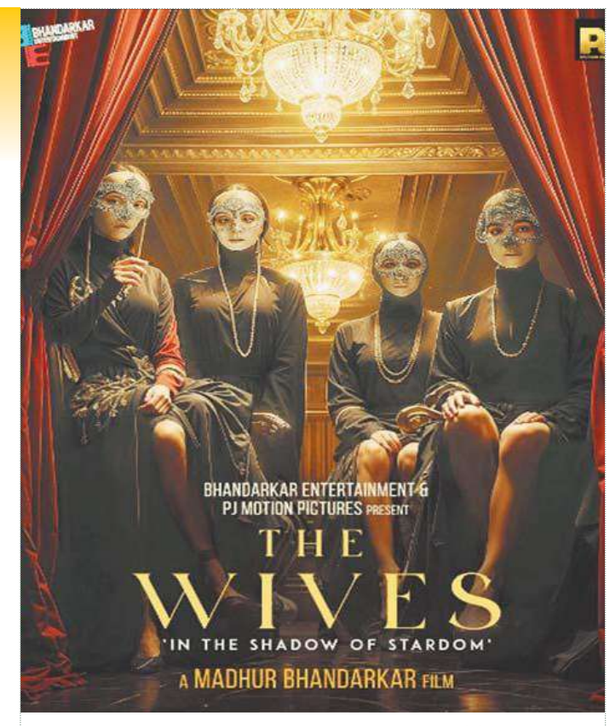

ग्लैमर, पावर और पब्लिक परसेप्शन के पीछे मौजूद अनदेखी इमोशनल दुनिया को एक्सप्लोर करती है 'द वाइव्स'

लगातार कई नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले फिल्ममेकर मधुर भंडारकर, चांदनी बार, पेज 3, फैशन, हीरोइन, ट्रैफिक सिग्नल और बबली बाउंसर जैसी अपनी दमदार और सामाजिक सिनेमा के लिए मशहूर टैलेंटेड डायरेक्टर ने अपनी आने वाली फिल्म 'द वाइव्स' की शूटिंग ऑफिशियली पूरी कर ली है। इस फिल्म में सोनाली कुलकर्णी, मौनी रॉय, रेजिना कैसेंड्रा, राहुल भट्ट, सौरभ सचदेवा, अर्जन बाजवा और फ्रेडी दारूवाला जैसे दमदार कलाकार हैं। 'द वाइव्स' के साथ, भंडारकर एक बार फिर बॉलीवुड के अंडरबेली की ओर अपना लेंस घुमाते हैं, ग्लैमर, पावर और पब्लिक परसेप्शन के पीछे मौजूद अनदेखी इमोशनल दुनिया को एक्सप्लोर करते हैं। इंसानी रिश्तों और सोशल डायनामिक्स की कच्ची सच्चाई को कैप्चर करने के लिए जाने जाने वाले, फिल्ममेकर एक ऐसी कहानी का वादा करते हैं जो इंटिमेट, लेयर्ड और बहुत रेलिवेंट है। फिल्म के बारे में बात करते हुए, मधुर भंडारकर ने शेयर किया, ''द वाइव्स' एक ऐसी कहानी है जो स्पॉटलाइट से आगे बढ़कर उन पर्सनल लाइफ को देखती है जो अक्सर फेम के आगे दब जाती हैं। यह इमेज और सक्सेस से चलने वाली दुनिया में रिश्तों, इनसिक्योरिटी और इमोशनल सर्वाइवल को एक्सप्लोर करती है। मैं इस कहानी को ईमानदारी और सेंसिटिविटी के साथ बताना चाहता था, और मैं अपनी कास्ट और क्रू का शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने स्क्रीन पर इतनी ऑथेंटिसिटी लाई।' पी जे मोशन पिक्चर्स के प्रोड्यूसर प्रणव जैन ने भी प्रोजेक्ट को लेकर अपनी एक्साइटमेंट जाहिर करते हुए कहा, 'मधुर सर के साथ कोलेबोरेट करना हमेशा एक क्रिएटिव रूप से पूरा करने वाला एक्सपीरियंस होता है। उनमें कॉम्प्लेक्स, इंसानी कहानियों को बहुत ही रिलेटेबल तरीके से बताने की एक रेयर एबिलिटी है। 'द वाइव्स' बोल्ड, सोचने पर मजबूर करने वाली और इमोशनल रूप से ड्रिवन है, और मेरा मानना है कि यह उन ऑडियंस के दिल को छू जाएगी जो मीनिंगफुल सिनेमा पसंद करते हैं।'

मैं एक समय में एक ही फिल्म करने में यकीन रखता हूं

एक्टिंग की दुनिया में तकरीबन ढाई दशकों में हर तरह की भूमिकाओं में जान डालने वाले शाहिद कपूर किरदारों के मामले में रिस्क लेने से नहीं हिचकिचाते। रूमानी किरदारों में सराहे गए शाहिद ने अपनी उस चॉकलेटी बॉय की इमेज से निकलने के लिए 'कमीने' जैसी ग्रे शेड वाली भूमिका करने से भी परहेज नहीं किया। 'हैदर', 'उड़ता पंजाब', 'कबीर सिंह', 'जर्सी' और 'फर्जी' जैसी अलग-अलग किरदार कर चुके शाहिद इन दिनों 'ओ रोमियो' में एक अलग अंदाज में दिख रहे हैं। उनसे खास बातचीत।

करियर की शुरुआत में आप ऑडिशन दर ऑडिशन देते जाते थे और आज आपके लिए रोल लिखे जाते हैं?

क्या वाकई मेरे लिए रोल लिखे जाते हैं? मैं खुद को इतनी अहमियत नहीं देता, मगर ये सच है कि 'इश्क विश्क' से पहले मैं तकरीबन 200 ऑडिशन कर चुका था। मैं समझता हूं कि एक कलाकार को खुद को समय के साथ संवारते और निखारते हुए आगे बढ़ना चाहिए। मैं तो शुरुआत से ही एक समय में एक ही फिल्म करने में यकीन रखता हूं। आज हमारी पूरी फिल्म फ्रेटर्निटी इस बात को समझ चुकी है कि हमें एक वक्त में एक ही फिल्म पर फोकस करना होगा।

आपने शुरुआत रोमांटिक रोल्स से की, मगर आगे चल कर आप 'कमीने', 'उड़ता पंजाब', 'कबीर सिंह' और 'फर्जी' जैसी भूमिकाओं की तरफ झुक गए?

एक अदाकार के रूप में आपको लड़ना पड़ता है, साबित करना पड़ता है कि आप सिर्फ एक ही तरह की भूमिका नहीं बल्कि कई तरह के रोल्स कर सकते हैं। क्या होता है न कि जब आपको एक रोल में सक्सेस मिल जाती है, तो लोग उसी तरह के किरदार ऑफर करने लगते हैं, तो आपको उससे अलग हटकर करने का जुनून होना चाहिए कि मुझे किसी एक बॉक्स में मत डालो, वरना आप उस लूप में फंस जाते हैं।

फिल्ममेकर विशाल भारद्वाज के साथ आपकी जोड़ी और केमिस्ट्री काफी अलग मानी जाती है, हमने सुना है कि आपने उनके निर्देशन वाली 'हैदर' के लिए आपने अपनी फीस नहीं ली थी?

हां, मैंने उस फिल्म के लिए पैसे नहीं लिए थे। अगर मैं अपनी फीस लेता तो वो फिल्म नहीं बन पाती, क्योंकि वो फिल्म काफी एक्सपेरिमेंटल थी। जब मुझे उस फिल्म का प्रस्ताव मिला, तो मुझे लगा कि अगर ये कहानी हम बना पाए और मैं इस रोल को कर पाया, तो ये फिल्म मेरे लिए एक खास फिल्म साबित होगी। कमाल की बात ये है कि वो उसी तरह की फिल्म साबित हुई, सच कहूं, तो वो पैसे वाली फिल्म थी ही नहीं। एक एक्टर और सिनेमा प्रेमी को भाने वाली फिल्म थी वो। तो कभी-कभी ऐसी फिल्में एक कलाकार को कर लेनी चाहिए।

आप मीशा और ज़ैन जैसे दो बच्चों के पिता हैं, क्या बच्चे आपके स्टारडम से वाकिफ हैं? वो आपकी फिल्में देखते हैं?

बिल्कुल वाकिफ हैं। उन्हें पता होना चाहिए कि उनके पिता क्या काम करते हैं। जहां तक फिल्मों की बात है, तो जो फिल्में वो देख सकते हैं, जरूर देखते हैं। जाहिर है, मेरी सभी फिल्में बच्चों के देखने योग्य नहीं होती। (मुस्कुराते हैं) उन्होंने 'जब वी मेट' देखी थी, 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' भी उन्हें पसंद आई थी। मेरी स्वीट फिल्में उन्होंने देखी हैं।

अपने करियर में आप सबसे मुश्किल दौर से कब गुजरे?

मुश्किल दौर हर समय होता है। देखिए हमारी इंडस्ट्री में रेलेवंस, सामयिकता बहुत जरूरी है, एक एक्टर और स्टार के रूप में। ये दोनों चीजें साथ में चलती हैं। लोग मुझसे परफॉर्मेंस की उम्मीद करते हैं और ये भी कहते हैं कि मुझमें एक तरह का स्टारडम है, तो फिर उसे एक साथ में लेकर चलना बड़ा मुश्किल होता है। मुझे किसी इमेज में बंधना पसंद नहीं है। कभी-कभी स्टारडम आपको बांध देता है कि यही करो, यही अच्छा लग रहा है। मुझे लगता है कि मैं खुलकर एक्सप्लोर करूं, अलग भूमिकाएं करूं, मगर साथ ही मैं स्टारडम भी चाहता हूं, तो फिर वो जद्दोजहद जो होती है, उसे मैनेज करना बहुत मुश्किल होता है। फिर आजकल दर्शकों का मूड बदलता रहता है। कभी-कभी लगता है कि उनका मूड अच्छा है और कभी लगता है कि क्या अजीब-सा मूड है। तो ये आसान नहीं है।